শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 320 | गुवाहाटी | सोमवार, 23 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हथियार डाल दो, नहीं तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे — पेज 2
नवगठित उग्रवादी समूह डीएचडीयू के दस सदस्यों ने किया आत्मसमर्पण — पेज 3
देश सबका है, संविधान सबके लिए है : नाजिया इलाही खान — पेज 5
कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए ... — पेज 7

जंग में कूदा अमेरिका, चलाया ऑपरेशन मिडनाइट हैमर

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह

वॉशिंगटन। अमेरिका ने रविवार को तड़के सुबह ईरान के खिलाफ एक बेहद गुप्त और बड़ी सैन्य कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन *मिडनाइट हैमर* रखा गया था। पेंटागन के मुताबिक, इस ऑपरेशन में अमेरिका के 125 से ज्यादा लड़ाकू विमान और मिसाइलें शामिल थीं। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने रविवार को बताया कि यह हमला ईरान के दो प्रमुख परमाणु केंद्रों-फोर्दो और नतांज-पर किया गया। इसके साथ ही इस्फहान शहर में भी मिसाइलें दागी गईं। जनरल डैन केन ने कहा कि हमने ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया जो सीधे उनके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। ऑपरेशन को इस तरह अंजाम दिया गया कि आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे। 125 से ज्यादा अमेरिकी विमान शामिल- इनमें बमवर्षक, फाइटर जेट, टैंकर (तेल भरने वाले विमान), और जासूसी विमान शामिल थे। इसमें बी-2 स्टील्थ बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल हुआ, जो मिसौरी से उड़कर आए थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराए, बंकर-बस्टर बम के तौर पर जाने जाते हैं। ये बम जमीन के भीतर छिपे ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम हैं। ये हमला रात 6:40 बजे (पूर्वी समयानुसार) शुरू हुआ और सात बजे तक सभी विमान ईरानी हवाई क्षेत्र से निकल चुके थे। इस मिशन को 9/11 के बाद बी-2 बमवर्षकों की सबसे लंबी उड़ान बताया गया है। रक्षा मंत्री पीट हगसेथ ने बताया कि यह कार्रवाई

अमेरिका की सुरक्षा और पश्चिम एशिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी थी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान शांति का रास्ता नहीं अपनाता, तो अमेरिका आगे भी सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इससे पहले, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से एक बयान में कहा कि हमने ईरान के परमाणु ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। अगर ईरान ने सुधरने की कोशिश नहीं की, तो और हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका युद्ध नहीं चाहता, लेकिन ईरान की ओर से खतरे को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि पिछली रात, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के तीन परमाणु -शेष पृष्ठ दो पर

हमले के बाद कई देशों का आया रिएक्शन

चीन बोला- ये खतरनाक मोड़, ब्रिटेन ने बताया सही कदम

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद पूरी दुनिया में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली है। कुछ देशों ने हमलों को न्यायसंगत बताया है, जबकि कई अन्य देशों ने इस पर चिंता जताई है और कूटनीतिक समाधान की वकालत की है। यह स्पष्ट है कि यह हमला न केवल पश्चिम एशिया, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी एक बड़ा मोड़ बन गया है। अमेरिका के अचानक हमले के बाद दुनिया दो भागों में बंट गई है। एक पक्ष द्वारा जहां सैन्य कार्रवाई को जरूरी माना गया वहीं दूसरा पक्ष इस कदम को खतरनाक बता रहा है। हालांकि, अधिकतर देश कूटनीतिक समाधान पर जोर दे रहे हैं ताकि पश्चिम एशिया में स्थिरता बनी रहे। ब्रिटेन ने अमेरिका के हमलों का समर्थन करते हुए कहा कि अब ईरान को बातचीत की मेज पर आना चाहिए। लंदन ने इस हमले को एक जरूरी कार्रवाई बताया है जो ईरान को कूटनीति की ओर धकेलेगी। चीन के सरकारी मीडिया सीजीटीएन ने अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि यह हमला इराक पर 2003 के -शेष पृष्ठ दो पर

हर अमेरिकी नागरिक अब *निशाने* पर, ईरान की यूएसए को सीधी धमकी

तेहरान। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमला कर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को और भड़का दिया है। अमेरिकी हमलों में ये तीनों केंद्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इस बीच, ईरान के सरकारी टीवी ने दावा किया है कि हमले से कुछ समय पहले ही इन परमाणु स्थलों को खाली करा लिया गया था। साथ ही, टीवी प्रस्तोताओं ने हर अमेरिकी नागरिक के *निशाने* पर होने की धमकी दी है। ईरानी अधिकारियों ने सरकारी टीवी पर इस्फहान, नतांज और फोर्डो परमाणु केंद्रों पर हुए हमलों की पुष्टि की है। सरकारी एजेंसी आईआरएनए ने इस्फहान के गवर्नर के सहयोगी अकबर सालेही के हवाले से इन हमलों की पुष्टि की। सालेही ने बताया कि कई निवासियों ने इस्फहान और नतांज के परमाणु केंद्रों के पास हमले देखे, और इन क्षेत्रों में कई विस्फोट सुने गए। ईरान के सरकारी टीवी ने आगे दावा किया कि इस्लामिक रिपब्लिक ने कुछ समय पहले ही तीनों परमाणु स्थलों को खाली करा लिया था। सरकारी टीवी के अनुसार, ट्रम्प के बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे में नुकसान की सीमा -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुबासी मेला : मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या के चरणों में अर्पित की श्रद्धा सुमन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अंबुबासी मेला के पावन अवसर पर मां कामाख्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए सभी साधु-संतों, देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों का हार्दिक स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबुबासी प्रवृत्ति के इस पवित्र क्षण में मां कामाख्या के श्रीचरणों में भक्ति भाव से सेवा अर्पित करता हूं। शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम में आगमन करने वाले साधु-संन्यासियों, दर्शनार्थियों तथा देश-विदेश के पर्यटकों को हार्दिक अभिनंदन प्रकट करता हूं। उन्होंने आशा जताई कि अंबुबासी मेला का यह भक्तिपूर्ण समय सभी के जीवन में सुख-शांति लाए, समरसता की माला को और सशक्त करे तथा मां कामाख्या का आशीर्वाद सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करे। उधर देवी कामाख्या के दिव्य स्त्रीत्व का उत्सव मनाने वाला वार्षिक उत्सव, प्रतिष्ठित अंबुवासी मेला, रविवार को गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर में शुरू हुआ। इस वर्ष, चार दिवसीय इस कार्यक्रम में देश-विदेश से लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिसका समापन 25 जून को होगा। यह त्यौहार देवी कामाख्या के प्रतीकात्मक मासिक धर्म काल का प्रतीक है, जिसके दौरान मंदिर के दरवाजे अनुष्ठानों के लिए बंद रहते हैं। रविवार को अपराह्न 2:56 बजे *प्रभृति* के लिए कपाट आधिकारिक रूप से बंद कर दिए गए तथा गुरुवार को *निर्भृति* के पूरा होने के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम कैबिनेट की बैठक में पारित किए गए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार की कैबिनेट बैठक रविवार शाम दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राज्य के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब से बाह्य राज्यों में असम के जिन लोगों की मृत्यु होगी, उनके मृत

शरीर को राज्य सरकार की ओर से वापस लाया जाएगा। इसके लिए सरकार *श्रद्धांजलि* नामक एक नई योजना शुरू कर रही है, जिसकी निगरानी असम पुलिस करेगी। बैठक में लिए गए अन्य प्रमुख निर्णयों में राभा हसोंग क्षेत्र के बाहर रह रहे राभा समुदाय के लोगों के कल्याण हेतु *राभा विकास परिषद* के गठन को मंजूरी दी गई। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर पद के लिए नए नियम लागू किए जाएंगे। अंगनवाड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

हम आदिवासी भूमि पर कब्जा नहीं, बल्कि बीटीआर में नौकरियां पैदा करना चाहते हैं : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि अडानी समूह को भूमि आवंटन पर विवाद के बीच कोकराझाड़ में प्रस्तावित थर्मल पावर प्रोजेक्ट पर राज्य सरकार का रुख कायम है। कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान बोलते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार का इरादा बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने या जबरन अधिग्रहण करने का नहीं है, बल्कि वह इस क्षेत्र में निवेश और रोजगार लाना चाहती है। हम असम में 3000 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना की योजना बना रहे हैं, और प्रस्तावित निवेश लगभग 40,000 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सोचा कि अगर जागिरोड

की तरह ही बीटीआर में भी ऐसी परियोजना लाई जाए, तो लोग इस पहल का स्वागत करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम आदिवासी भूमि पर कब्जा नहीं करना चाहते। हम बीटीआर में रोजगार पैदा करना चाहते हैं। शर्मा ने कहा कि इस विशाल परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब एक लाख रोजगार पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि करीब 3000 से 4000 बीघा जमीन पर सिर्फ 80 परिवार का कब्जा है। मैं अपील करता हूं कि इस जमीन का इस्तेमाल सिर्फ अडानी या अंबानी के लिए नहीं, बल्कि मेडिकल कॉलेज या शैक्षणिक संस्थान के लिए भी किया जाए। शर्मा ने कहा कि इसका लक्ष्य बुनियादी ढांचे और -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
विद्या ही निर्धन का धन है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

चुनाव से पहले मतदाता सूची के व्यापक सत्यापन पर विचार कर रहा आयोग

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर व्यापक सत्यापन अभियान शुरू करने पर विचार कर रहा है। यह कदम मतदाता सूची से संबंधित बार-बार उठाए जा रहे सवालों के मद्देनजर उठाया जा सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में अकेले यात्रा पर न जाएं महिलाएं, यूएस ने जारी की एडवाइजरी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों और कामगारों के लिए लेवल 2 की ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। इस चौंकाने वाले फैसले में, अमेरिका ने अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को, भारत में किसी भी पर्यटन स्थल या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर *अधिक सावधानी बरतने* की सलाह दी है। विदेश विभाग ने अपनी एडवाइजरी में भारत में बलात्कार, -शेष पृष्ठ दो पर

दूसरी जाति में शादी पड़ी भारी परिवार के लोगों को कराना पड़ा मुंडन

भुवनेश्वर। भारत में आज भी अंतरजातीय विवाह को मान्यता नहीं दी जाती है। ऐसी शादियों के कारण लड़के-लड़कियों के परिवारों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही अंतरजातीय विवाह का एक मामला ओडिशा से सामने आया है, जहां एक लड़की ने दूसरे गांव के अनुसूचित जाति के लड़के से शादी कर ली। इससे लड़की और उसके परिवार से गांव के लोग नाराज हो गए। बताया जा रहा है कि इसके बाद नाराज गांव वालों ने लड़की के परिवार वालों पर जातिगत मानदंडों का उल्लंघन करने के -शेष पृष्ठ दो पर

अहमदाबाद हादसे में दिवंगत एनगंथोई शर्मा को अंतिम विदाई, शोक में डूबा मणिपुर

इंफाल (हि.स.)। अहमदाबाद एअर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वाली मणिपुर की बेटी कोंगब्रैलत्पम एनगंथोई शर्मा का पार्थिव शरीर रविवार को इंफाल लाया गया। इंफाल के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक अंतिम सलामी दी। इस दौरान राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार दोपहर में इंफाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका ताबूत जैसे ही पहुंचा, वहां मौजूद हर चेहरा गमगीन हो उठा। उनके परिजनों, मित्रों, सरकारी अधिकारियों और एअर इंडिया स्टाफ सहित बड़ी संख्या में लोग नम आंखों से श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस अवसर

पर राज्य के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह समेत -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति को किया फोन, बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। इस दौरान, पीएम मोदी ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बारे में चर्चा की। उन्होंने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव

पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शत्रुता में तत्काल कमी लाने का आह्वान किया। गौरतलब है कि अमेरिका ने हाल ही में ईरान के इन तीन परमाणु केंद्रों पर हमला कर उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर -शेष पृष्ठ दो पर

2027 की जनगणना की तैयारी शुरू, 3.62 करोड़ के पार हो सकती है असम की जनसंख्या

गुवाहाटी। मार्च, 2027 के लिए निर्धारित बहुप्रतीक्षित जनगणना कार्य की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और अनुमानों के अनुसार, असम की जनसंख्या में पर्याप्त वृद्धि हो सकती है। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और 2021 में होने वाली जनगणना कोविड महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। सरकार ने घोषणा की है कि देश भर में जनगणना अभियान मार्च, 2027 में शुरू होगा और पूरी प्रक्रिया पूरी होने में लगभग दो साल लगेंगे। 2011 की जनगणना के दौरान असम की जनसंख्या लगभग 3.12 करोड़

थी और 2015 में लगभग 3.29 करोड़ लोगों ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 10 लाख लोगों के आवेदन खारिज कर दिए गए क्योंकि वे अपनी नागरिकता का पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करने में असफल रहे। हालांकि, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में असम की अनुमानित जनसंख्या लगभग 3.62 करोड़ होगी, जो जनगणना शुरू होने तक निश्चित रूप से बढ़ जाएगी। इस -शेष पृष्ठ दो पर

हिजबुल्लाह ने छोड़ा ईरान का साथ, बोला-

इजराइल और अमेरिका से पंगा नहीं लेंगे

तेहरान। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर किए गए हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव और गहरा गया है। इस हमले से जहां ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को

गहरा धक्का पहुंचा है, वहीं अब उसका सबसे मजबूत सहयोगी हिजबुल्लाह भी पीछे हटता नजर आ रहा है। लेबनान स्थित इस ईरान समर्थित संगठन ने स्पष्ट किया है कि वह अमेरिका और इजराइल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

छत्तीसगढ़ में गृह मंत्री शाह की नक्सलियों को चेतावनी

हथियार डाल दो, नहीं तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और एक केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जिसके दौरान वह एक सुरक्षा शिविर का दौरा करेंगे और चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों पर बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज इसे आधुनिक बनाने के लिए 3 नई पहल की जा रही हैं। एक- आज नवा रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर की आधारशिला रखी गई। दो- आज नवा रायपुर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भी नींव रखी गई। तीन, जब तक एनएफएस विश्वविद्यालय का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसके स्थायी परिसर की भी आज शुरुआत हो गई है। अमित शाह ने कहा कि ये तीनों पहल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आने वाले दिनों में पूरे मध्य भारत के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली को एक आधार प्रदान करेंगी। इसके साथ ही आज छत्तीसगढ़-आईहब का भी उद्घाटन किया गया है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद निवेश शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें 5 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। छत्तीसगढ़ में कई उद्योग आ रहे हैं। मैं यहां छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्पष्ट कहने आया हूं। जब तक युवा स्वयं उद्योगपति नहीं बनेंगे, तब तक छत्तीसगढ़ का निवेश औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं बन सकता। गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से इस सरकार ने न सिर्फ नक्सल विरोधी अभियान को तेज किया है, बल्कि समय-समय पर इसका मार्गदर्शन भी किया है। पुलिस और सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है और इस लड़ाई को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया है... मैंने कहा था कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और मैं आज फिर दोहराना चाहूंगा कि जिस तरह से सुरक्षा बलों ने वीरता दिखाई है, हम इस लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे।

अभाविप करेगी अंबुबासी मेला में सेवा

गुवाहाटी (हिंस)। शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम में *अंबुबासी मेला 2025* का शुभारंभ आज से होने जा रहा है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मां कामाख्या धाम आस्था से सराबोर हो उठा है। इस मेले के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) असम प्रदेश ने श्रद्धालुओं की सेवा का संकल्प लिया है। राज्यभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए अभाविप कार्यकर्ता गुवाहाटी महानगर और आस-पास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, जल वितरण आदि कार्यों के माध्यम से सेवा प्रदान करेंगे। आज अभाविप के राज्य सचिव हेरल्ड मोहन ने नीलाचल धाम में कहा कि अंबुबासी मेला में आए सभी श्रद्धालुओं का हम स्वागत करते हैं। हमारी यह सेवा मां कामाख्या का आशीर्वाद है और हम इसे अपना सौभाग्य मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करना अभाविप कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है और हम इसके लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं।

बीटीआर चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, कल मुसलपुर में होगी रणनीतिक बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी ने प्रत्येक परिषद क्षेत्र में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से 40 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी हैं। ये कार्यकर्ता बीटीआर के सभी 40 परिषद क्षेत्रों के हर बूथ का दौरा कर संगठन की समीक्षा करेंगे। इस आशय की जानकारी प्रदेश भाजपा ने दी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने पहले ही कई बार संकेत दिया है कि आगामी बीटीआर चुनावों में भाजपा अधिकांश परिषद क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। बीटीआर चुनाव की तैयारियों को एक नई दिशा देने के लिए आगामी 24 जून को बाक्सा जिले के मुसलपुर में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक (राजनीतिक मंथन) आयोजित की जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया, राष्ट्रीय सचिव एवं सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, बीटीआर चुनावों के लिए नियुक्त मंत्रीगण और समन्वयक, बीटीआर से संबंधित पांचों जिलों के अध्यक्ष, महासचिव, जिला प्रभारी और सह-प्रभारी, 40 परिषद क्षेत्रों के पर्यवेक्षक, विधायक, ईएम, एमसीएलए और संबंधित जिलों के सोशल मीडिया संयोजक शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय से जारी बयान में यह भी कहा गया है कि इस बैठक के बाद बीटीआर क्षेत्र में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा नए रूप में उभरेगा और चुनावी कार्ययोजना को और मजबूती मिलेगी।

शंकरदेव शिक्षा और अनुसंधान संस्थान की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

गुवाहाटी (हिंस)। प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के संरक्षक संगठन शंकरदेव शिक्षा और अनुसंधान संस्थान की वार्षिक साधारण सभा रविवार को संपन्न हुई। वर्ष 2021 में स्थापित इस संस्थान ने बहुत ही कम समय में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। नॉर्थ ईस्ट कांक्लेव 2021 का सफल आयोजन हो या प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर इंडो-आसियान स्ट्रैटेजिक स्टडीज के शैक्षिक पहल-इन सबके माध्यम से संस्थान ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय को छात्रों से अच्छा *रिस्पांस* मिला है और वर्तमान में तीसरे सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है।

माजुली में बड़ा हादसा टला : ब्रह्मपुत्र में तेज धारा के चलते पुल के खंभे से टकराई फेरी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के माजुली जिले में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा उस वक्त टल गया जब ब्रह्मपुत्र नद में अफोलामुख घाट से निमातीघाट की ओर जा रही एक यात्री फेरी *एमवी इंद्र* पुल के निर्माणाधीन खंभे से टकरा गई। जल परिवहन विभाग (आईडब्ल्यूटी) के अधिकारियों के अनुसार, फेरी पर उस समय करीब 40 यात्री और 18 मोटरसाइकिलें सवार थीं। सुबह करीब 9.30 बजे तेज नद की धारा के चलते फेरी का पिछला हिस्सा संतुलन खो बैठा और खंभे से टकरा गया। इस टक्कर में फेरी में रखी कई मोटरसाइकिलें गिर गईं, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी यात्री या चालक दल को कोई चोट नहीं आई। एक अधिकारी ने बताया कि एमवी इंद्र जब अफोलामुख घाट से रवाना हुई तो उस पर 40 यात्री और 18 बाइकें थीं। पुल के पास की तेज धारा ने फेरी को घुमाकर उसके पिछले हिस्से को खंभे से भिड़ा दिया, जिससे दोपहिया गिर पड़े, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। घटना की सूचना मिलते ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और फेरी को स्थिर कर सुरक्षित रूप से निमातीघाट तक पहुंचाया गया। इससे एक दिन पहले शनिवार को भी एक और फेरी हादसे की आशंका से लोग दहशत में आ गए थे, जब *पीएल दिगारू* नाम की फेरी निमातीघाट से कमलाबाड़ी घाट की ओर जाते समय ब्रह्मपुत्र की रेत में फंस गई।

No.: JDB/P&RIXSOPD)/10/2025-26/1114 *Date- 16/06/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders affixing a non-refundable Court fee stamp amounting Rs. 8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited form the registered Contractor of Class-I (A,B,C), Class-II, Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC for the following works under P&RD (SOPD) fund for the year 2025-26 under Jalah Dev. Block of BTC area. The Tenders will be received by the undersigned up to 2.30PM on 07-07-2025 and will be opened on the same date & place at 3.30PM.

Sl. No.	Name of Scheme	Tender Value (In Lakh)	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.)	Time of Completion
1	Impt. Of road with E/F & S/G from Harisinga Bridge Odalguri village (Koklabari VCDC) Part-A	10.50	Rs. 10,500/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 21,000/- @ 2% for General	Rs. 330/-	3 (Three) months from the date of issue of work order
2	Impt. Of road with E/F & S/G from Harisinga Bridge Odalguri village (Koklabari VCDC) Part-B	10.50	Rs. 10,500/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 21,000/- @ 2% for General	Rs. 330/-	3 (Three) months from the date of issue of work order

Details NIT may be seen at the office of the undersigned from 16-06-2025 to 07-07-2025 up to 1.00PM.

Sd/-Block Development Officer
Jalah Development Block, Jalahghat

IPR(BTC)/C/2025-26/1094

पृष्ठ एक का शेष

ईरान के परमाणु ...

प्रतिष्ठानों, फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर मध्य रात्रि में सटीक हमला किया, ताकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट या गंभीर रूप से कम किया जा सके। यह एक अविश्वसनीय और जबरदस्त सफलता थी। हमारे कमांडर इन चीफ से हमें जो आदेश मिला वह केंद्रित और शक्तिशाली था, और यह स्पष्ट था कि हमने ईरानी परमाणु कार्यक्रम को तबाह कर दिया था। यह ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन ने ईरानी सैनिकों या ईरानी लोगों को निशाना नहीं बनाया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह ऑपरेशन राष्ट्रपति ट्रंप की योजना थी- साहसी और शानदार। इसने दुनिया को दिखा दिया कि अब अमेरिका की धमकी असली है। अगर राष्ट्रपति शांति की बात करते हैं, तो वह 60 दिन शांति और बातचीत का समय देते हैं। लेकिन उसके बाद, ईरान का परमाणु कार्यक्रम नहीं बचेगा। पीट हेगसेथ ने बताया कि इस ऑपरेशन की तैयारी में इस्राइल ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस हमले में दिशाभ्रम, धोखे की रणनीति और बहुत ही उच्च स्तरीय ऑपरेशनल सुरक्षा शामिल थी। हमारे बी2 बमवर्षक आए और गए, और दुनिया को भनक तक नहीं लगी। उन्होंने आगे बताया कि इस ऑपरेशन में इतिहास में पहली बार एमओपी जैसे भारी बमों का इस्तेमाल किया गया। इन बमों का वजन करीब 30,000 पाउंड है, जो जमीन के नीचे बने बंकरों को भी तबाह कर सकते हैं। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने बताया कि यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड के जनरल एरिक कुरिल्ला के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि यह मिशन अमेरिका की वैश्विक ताकत और सटीक हमले की क्षमता को दर्शाता है। पूरी योजना बेहद गोपनीय थी, गिने-चुने लोग ही इसके बारे में जानते थे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार आधी रात को अमेरिका की धरती से सात बी-2 स्पिरिट बॉम्बर्स ने उड़ान भरी। इनमें से कुछ विमान जानबूझकर पैसिफिक महासागर की ओर भेजे गए, ताकि ईरान को भ्रमित किया जा सके। असली स्ट्राइक टीम पूर्व की दिशा से चुपचाप ईरानी सीमा में घुसी। ईरान पर हमले के लिए सिर्फ बमवर्षक ही नहीं, अमेरिका ने टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। दर्जनों मिसाइलें ईरान के अलग-अलग ठिकानों पर दागी गईं। बता दें कि, टॉमहॉक मिसाइलें दूर से लॉन्च की जा सकती हैं और बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाती हैं। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने आगे बताया कि ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसने से कुछ देर पहले अमेरिका की एक पनडुब्बी ने इस्फहान शहर पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागीं। ये हमले ईरान की सतह पर मौजूद रडार और मिसाइल सिस्टम को नष्ट करने के लिए किए गए थे। इस हमले में शामिल चौथे और पांचवें पीढ़ी के लड़ाकू विमानों ने आगे जाकर संभावित खतरे को साफ किया और रास्ता तैयार किया। इस ऑपरेशन में अमेरिकी अंतरिक्ष कमांड, अमेरिकी साइबर कमांड, अमेरिकी रणनीतिक कमांड और यूरोपियन कमांड जैसे कई बड़े सैन्य विभाग एक साथ शामिल हुए। जनरल डैन ने कहा कि 18 घंटे की लंबी उड़ान, हवा में कई बार ईंधन भरवाना, बिल्कुल सटीक समय पर फॉर्मेशन बनाना - यह सब दुनिया की कोई और सेना नहीं कर सकती। इस हमले में इतनी गोपनीयता थी कि ईरानी रक्षा प्रणाली को पता ही नहीं चला कि हमला हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक अमेरिका की ओर से कोई नुकसान की जानकारी नहीं है, और ईरान की सेना ने कोई जवाबी हमला नहीं किया। आखिरी में अमेरिकी रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि अमेरिका युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर उसके नागरिकों, सहयोगियों या हितों को खतरा हुआ तो वह तुरंत कार्रवाई करेगा। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि राष्ट्रपति ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है, या तो शांति का रास्ता चुनो, या परमाणु कार्यक्रम को खत्म होते देखो।

हर अमेरिकी नागरिक ...

का आकलन करना आवश्यक है। इस्लामिक रिपब्लिक के परमाणु उद्योग को बमबारी से पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सकता। अमेरिकी हमले के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तुतकर्ताओं ने भी संभावित परिणामों की चेतावनी दी। अमेरिका के हमलों के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तोताओं ने गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। आईआरएनए ने एक प्रस्तोता के हवाले से बताया कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक और सैन्यकर्मी अब *वैध लक्ष्य* बन गया है। एक वायरल वीडियो में, ईरानी सरकारी टेलीविजन ने मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों का एक ग्राफिक दिखाते हुए दावा किया कि इनमें से अधिकांश ठिकाने *ईरान की आग की सीमा के भीतर* हैं। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, एक अन्य ईरानी प्रस्तोता ने सरकारी टीवी पर कहा कि युद्ध अभी शुरू हुआ है, मिस्टर ट्रम्प! अब आप शांति की बात करते हैं? हम आपके साथ इस तरह से पेश आएंगे कि आप लापरवाही के परिणामों को समझ सकें।

चीन बोला- ये खतरनाक...

अमेरिकी आक्रमण की याद दिलाता है। सीजीटीएन ने चेताया कि ऐसे हस्तक्षेप से अनपेक्षित परिणाम और क्षेत्रीय अस्थिरता जन्म ले सकती है। अमेरिका के हमले को लेकर चीन के सरकारी प्रसारक की विदेशी भाषा शाखा सीजीटीएन की एक फ्लैश कमेंट्री में अमेरिकी कार्रवाई को *एक खतरनाक मोड़* बताया। ओमान ने अमेरिका के हमले की खुलकर निंदा की है। यह वही देश है जो अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करता रहा है। ओमान ने तनाव कम करने का आह्वान किया है। सऊदी अरब ने कहा कि हमलों के बाद ईरान में किसी रेडिएशन खतरे का संकेत नहीं मिला है। रियाद ने सभी पक्षों से कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील की है। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने सभी पक्षों से वार्ता में लौटने की अपील की और कहा कि मौजूदा संकट को आगे बढ़ने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने सैन्य कार्रवाई को अस्थायी समाधान बताया। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने मंत्रियों के साथ बैठक बुलाई है ताकि हमलों के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सके। दक्षिण कोरिया भी आपात बैठक कर रहा है जिसमें सुरक्षा और आर्थिक असर पर चर्चा होगी। ऑस्ट्रेलिया ने भी समाधान के लिए कूटनीति की मांग की है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि ईरान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, लेकिन अब समय शांति का है। यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि अमेरिका के हमले से स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इसका कोई सैन्य समाधान नहीं है, कूटनीति ही रास्ता है।

अंबुबासी मेला : मुख्यमंत्री ...

बाद प्रात: 3:19 बजे पूजा पुन: शुरू होगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से इस आयोजन में शामिल होने वाले तीर्थयात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज से मां कामाख्या के दिव्य नारीत्व का वार्षिक उत्सव अंबुबाची महायोग की शुरुआत हो रही है। देश भर से आध्यात्मिक नेता और भक्त पवित्र नीलाचल पहाड़ियों पर अपनी प्रार्थना करने के लिए एकत्रित होंगे। मैं असम में सभी तीर्थयात्रियों का स्वागत करता हूं और उन्हें मां कामाख्या के आशीर्वाद से भरे दिव्य अनुभव की कामना करता हूं। मंदिर प्राधिकारियों ने तीर्थयात्रियों की आमद के लिए व्यापक तैयारी की है। शौचालय, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य शिविर और बैरिकेडिंग मार्ग जैसी सुविधाएं स्थापित की गई हैं। मंदिर की ओर जाने वाली सड़क को नियमित वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है, तथा आपातकालीन और उपयोगिता सेवाओं तक पहुंच सीमित कर दी गई है। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र में पुलिस कर्मियों और स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। लगभग 20,000 श्रद्धालुओं की क्षमता वाले अस्थायी शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें तीर्थयात्रियों को आश्रय और बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अंबुवासी मेला असम के सांस्कृतिक और धार्मिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव करने और देवी कामाख्या का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सभी वर्गों से आगंतुकों को आकर्षित करता है। यह महोत्सव असम की समृद्ध विरासत को भी प्रदर्शित करता है, तथा मेले के दौरान मंदिर परिसर भक्ति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र बन जाता है।

असम कैबिनेट की ...

कर्मियों को पदोन्नति देकर सुपरवाइजर बनाया जाएगा। पहले 25 फीसदी पदोन्नति हुई थी। अब से 50 फीसदी पदोन्नति में आरक्षण रहेगा। राज्य में तीसरे लिंग (थर्ड जेंडर) के लोगों को विशेष सुविधाएं देने के लिए पहचान पत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों की सैलरी को 2000 रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जो 1 अक्तूबर से लागू होगा। इसके लिए राज्य सरकार 8 करोड़ रुपए व्यय करेगी। बैठक में *उरपद बिल* और *ग्वालपाड़ा हसीला बिल* को संरक्षित वन क्षेत्र में बदलने का निर्णय लिया गया। इन सभी निर्णयों का उद्देश्य राज्य के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती देना है। राज्य के इन सभी सरकारी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि होगी! कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सर्व शिक्षा से नियमित हुए सभी शिक्षकों को पिछले वर्ष की 3 फीसदी वेतन वृद्धि देने को मंजूरी दी गई। इनके अलावा भी कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

हम आदिवासी भूमि ...

विकास का निर्माण करना है। सीएम ने यह भी कहा कि अगर बीटीआर में इस परियोजना का कड़ा विरोध हुआ तो सरकार इसे धुबरी या ग्वालपाड़ा में स्थानांतरित करने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि हम इसे बीटीआर में करना चाहते थे ताकि क्षेत्र का विकास हो, सुधार हो और रोजगार बढ़े। इस परियोजना के कारण कोकराझाड़ के परबतझोरा इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। 16 जून को बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने विरोध प्रदर्शनों का जवाब देते हुए आश्वासन दिया कि बिना सहमति के कोई भी जमीन नहीं ली जाएगी। किसी की भी जमीन जबरदस्ती नहीं ली जाएगी। हम गांव की सुरक्षा समितियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, बोड़ो ने अडानी समूह और एपीडीसीएल के प्रतिनिधियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद कहा। बोड़ो ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर निवेश से बेरोजगार युवाओं को स्थायी नौकरियां मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि हम विस्थापन के बिना विकास चाहते हैं। इस बीच, ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) ने भी चर्चा के बाद निर्णय का समर्थन करते हुए कहा है कि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि परियोजना से स्थानीय समुदायों को कोई नुकसान नहीं होगा।

दूसरी जाति में शादी ...

लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया से गुजरने का दबाव बनाया। ये पूरा मामला ओडिशा के रायगढ़ के काशीपुर ब्लॉक के बैगनगुडा गांव का है। जानकारी के अनुसार, शुद्धिकरण की प्रक्रिया में लड़की के परिवार वालों को जानवरों की बलि देनी पड़ी। इतना ही नहीं लड़की के परिवार के 40 सदस्यों को मुंडन भी काराना पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस अंतरजातीय विवाह के कारण गांव के लोगों ने लड़की के परिवार का बहिष्कार कर दिया था। इसके बाद गांव वालों ने लड़की के परिवार पर दबाव बनाया कि अगर वो जाति में वापस लौटना चाहते हैं, तो उन्हें जानवरों की बलि देनी होगी और फिर मुंडन संस्कार कराना होगा, इसलिए गांव के लोगों के दबाव में आकर लड़की के परिवार के सदस्यों ने जानवरों की बलि दी और मुंडन संस्कार कराया। मुंडन संस्कार करते हुए एक व्यक्ति का वीडियो भी सामने आया है। इस घटना के सामने आते ही काशीपुर के बीडीओ विजय सोय ने ब्लॉक के अधिकारियों को गांव में जाकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। अब जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। साथ ही बताया गया है कि अगर इन अधिकारियों को जांच में कोई दोषी मिला तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में आज भी जाति आधारित भेदभाव की तस्वीर देखने को मिलती है। समाज में जातिवाद और कुरीतियां गहराई से जड़ जमाए हुए हैं। प्रेम विवाह जैसे व्यक्तिगत निर्णय के बाद शुद्धिकरण के लिए दबाव डालना असंवैधानिक है और मानवाधिकारों का उल्लंघन भी है। फिलहाल मामले की जांच अधिकारी कर रहे हैं। इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अहमदाबाद हादसे में ...

विभिन्न विभागों के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने विमानतल पर उन्हें श्रद्धापूर्वक अंतिम सलामी दी। एनगंथोई के पिता और बड़ी बहन उनकी पहचान की प्रक्रिया के लिए अहमदाबाद गए थे और पार्थिव शरीर के साथ मणिपुर लौटे। दोनों का धैर्य पूरे राज्य की सामूहिक पीड़ा को दर्शा रहा था। हवाई अड्डे से ताबूत को खुले ट्रक पर रखकर जब थौबल जिले की ओर अंतिम यात्रा शुरू हुई, तो रास्ते भर लोगों की आंखें नम थीं। कोई हाथ जोड़कर खड़ा था, तो कोई पूष्पांजलि देकर अंतिम विदाई दे रहा था। हजारों की भीड़ ने यह दिखा दिया कि यह सिर्फ एक परिवार का शोक नहीं, बल्कि पूरे मणिपुर की पीड़ा है। यह अंतिम विदाई सिर्फ एक रस्म नहीं, यह एकजुटता का प्रतीक बन गई। एनगंथोई अब मणिपुर के हर व्यक्ति की बेटी बन चुकी हैं। उनके अधूरे सपनों ने पूरे राज्य का दिल छू लिया और यह क्षण सबको जोड़ गया एक साझा दु:ख में।

पीएम मोदी ने ईरानी ...

दिया है, जिससे क्षेत्र में चल रहे संघर्ष में और इजाफा हुआ है। पीएम मोदी ने कॉल के बाद एक्स पर लिखा कि हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में हुई वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की। आगे बढ़ने के तरीके के रूप में तत्काल कमी लाने, बातचीत और कूटनीति के लिए हमारे आह्वान को दोहराया और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों - फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर बमबारी करने के कुछ ही घंटों बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को फोन किया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में इन हमलों को *शानदार सैन्य सफलता* बताया। उन्होंने ईरान को चेतावनी भी दी कि यदि उसने जवाबी कार्रवाई की तो और भी हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि इस मिशन का प्राथमिक लक्ष्य ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमताओं को नष्ट करना था और यह हासिल कर लिया गया है। अमेरिकी हमलों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए, ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने इन कार्रवाइयों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का गंभीर उल्लंघन करार दिया।

इजराइल और अमेरिका...

के खिलाफ फिलहाल कोई जवाबी हमला नहीं करेगा। हिजबुल्लाह को ईरान के *एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस* का सबसे ताकतवर स्तंभ माना जाता है, लेकिन अब अमेरिकी हमलों के बाद उसकी प्रतिक्रिया चौंकाने वाली रही। न्यूजवीक को दिए गए एक इंटरव्यू में हिजबुल्लाह के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान एक सक्षम देश है जो खुद का बचाव कर सकता है। हमारे पास अमेरिका और इजराइल के खिलाफ फिलहाल कोई जवाबी कार्रवाई की योजना नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश दिए। ईरान ने पहले ही चेताया था कि अगर अमेरिका इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से कूदता है, तो क्षेत्र में उसके सभी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। लेकिन हिजबुल्लाह की ओर से मिली इस निराशाजनक प्रतिक्रिया ने ईरान को रणनीतिक रूप से कमजोर कर दिया है। अब तक माना जाता था कि ईरान क्षेत्रीय संघर्ष में अपने समर्थक संगठनों के जरिए जवाबी हमले करवा सकता है, लेकिन हिजबुल्लाह का यह कदम एक बड़ी रणनीतिक सेंध है। हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच नवंबर 2024 में युद्धविराम हुआ था। उस समय गाजा में इजराइली कार्रवाई के विरोध में हिजबुल्लाह ने लेबनान से रॉकेट दागे थे, जिसके जवाब में इजराइल ने लेबनान पर हमला कर संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों नागरिकों को मार गिराया था। तब से हिजबुल्लाह सीजफायर पर कायम है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका द्वारा ईरान पर सीधा हमला करना न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता को और भड़काएगा, बल्कि इससे वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक बाजारों पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। इजराइल ने ट्रंप के फैसले की खुले तौर पर सराहना की है, वहीं संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने संयम बरतने और बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की है। हिजबुल्लाह के इस फैसले ने ईरान की रणनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया है। अब सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि ईरान आगे क्या कदम उठाएगा और अमेरिका की अगली रणनीति क्या होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर मध्य पूर्व को युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है।

2027 की जनगणना की ...

बीच, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अगली जनगणना की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और इस व्यापक कार्य की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए 4 और 5 जुलाई को नई दिल्ली में राज्य जनगणना निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी। हालांकि असम में इस अभियान के लिए आवश्यक जनशक्ति को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन सूत्रों ने माना कि घर-घर जाकर गणना करने के लिए भारी जनशक्ति की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने कहा कि पहला कदम गणना ब्लॉकों का नक्शा बनाना होगा। ब्लॉकों को जनसंख्या पैटर्न के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है। लेकिन भूभाग के अनुसार इसमें बदलाव होते हैं। शहरों में, जनगणना अधिकारी अधिक घरों की गणना कर सकते हैं, लेकिन कठिन भूभाग वाले क्षेत्रों के मामले में यह अलग होगा। सूत्रों ने बताया कि अगला कदम चयनित जनशक्ति को प्रशिक्षित करना होगा। इन दो चरणों के पूरा होने के बाद ही तीसरा चरण - गणना - शुरू होगा। हालांकि, इस बार जनगणना प्रक्रिया में लगने वाला समय थोड़ा कम होगा क्योंकि गणनाकर्ताओं को एक ऐप दिया जाएगा, जिसकी मदद से वे एकत्रित डेटा को तुरंत अपलोड कर सकेंगे। इससे पहले, एकत्रित डेटा को मैन्युअल रूप से वितरित किया जाना था और प्रसंस्करण में अतिरिक्त समय लगता था। लेकिन जिन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क कमजोर है, वहां गणनाकर्ताओं को कागज पर डेटा एकत्र करने और उस स्थान पर पहुंचने पर अपलोड करने की अनुमति दी जाएगी जहां नेटवर्क पर्याप्त रूप से अच्छा है।

चुनाव से पहले मतदाता ...

देशभर में हर वर्ष मतदाता सूची का नियमित पुनरीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, चुनावों और उपचुनावों से पहले भी यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। वर्ष 2024 में आयोग को प्राप्त प्रपत्रों के अनुसार लगभग 46.26 लाख मतदाता अपने निवास स्थान से स्थानांतरित हुए, 2.32 करोड़ ने संशोधन के लिए आवेदन किया और 33.16 लाख ने पहचान पत्र के प्रतिस्थापन की मांग की। कुल मिलाकर लगभग 3.15 करोड़ परिवर्तनों की आवश्यकता पड़ी। सूत्रों के अनुसार मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने की अंतिम कवायद वर्ष 2004 में की गई थी। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले यह अभियान फिर से शुरू किया जा सकता है। सत्यापन की आवश्यकता के पीछे स्थान परिवर्तन, मृत मतदाताओं के नाम हटाना, 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं के नाम जोड़ना, विवरणों में सुधार, मतदान केंद्रों का पुन:निर्धारण तथा विदेशी नागरिकों की पहचान और नाम विलोपन जैसे कई कारण हैं।

भारत में अकेले यात्रा ...

हिंसा और आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि का हवाला दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 16 जून को अपनी ट्रैवल एडवाइजरी को अपडेट करते हुए भारत में अपने नागरिकों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस एडवाइजरी में अपराध और आतंकवाद को मुख्य कारण बताया गया है, जहां कुछ क्षेत्रों में जोखिम को *अधिक* बताया गया है। एडवाइजरी के अनुसार कि भारत में हिंसक अपराध और आतंकवाद होते हैं। इसमें विशेष रूप से कहा गया है कि बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न सहित हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी होते हैं। आतंकवाद के खतरे पर प्रकाश डालते हुए, अमेरिका ने अपने नागरिकों से पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों/शॉपिंग मॉल और सरकारी सुविधाओं से बचने का आग्रह किया है, क्योंकि ये आतंकवादी हमलों के लिए संवेदनशील माने जाते हैं। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के लिए विशेष चेतावनी जारी की गई है, जहां आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण यात्रा न करने की सलाह दी गई है (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और लेह को छोड़कर)।

हसीला बील के बेघर परिवारों ने सांसद रकीबुल हुसैन को खदेड़ा

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के हसीला बील (झील) में रविवार को उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के क्षेत्रीय दौरे के दौरान गुस्साए स्थानीय लोगों ने घेराव किया और बाद में पत्थरबाजी करते हुए उन्हें खदेड़ दिया। यह इलाका हाल ही में सरकारी अतिक्रमण हटाओ अभियान के चलते विवादों में है। जैसे ही हुसैन का काफिला बेदखल क्षेत्र की ओर बढ़ा, आक्रोशित भीड़ ने रास्ता रोक दिया। लोगों ने चप्पल और बोतलें फेंककर विरोध जताया, जिससे सांसद को वापस लौटना पड़ा। उनके सुरक्षा दल ने स्थिति को देखते हुए तुरंत क्षेत्र छोड़ दिया। यह विरोध केवल एक दौरे के खिलाफ नहीं था–बल्कि उन भावनाओं की अभिव्यक्ति थी जो लंबे समय से सुलग रही थीं। एक विस्थापित महिला ने चिल्लाकर कहा कि जब हम तबाह हो रहे थे, तब ये कहां थे? अब आकर क्या दिखावा कर रहे हैं? वहीं एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि ऐसे सांसद की जरूरत नहीं जो संकट के समय लापता हो। प्रशासन की ओर से चल रहे अतिक्रमण हटाने के अभियान से कई परिवार उजड़ चुके हैं। सरकार इसे सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बताती है, लेकिन प्रभावित लोग इसे अमानवीय और पक्षपातपूर्ण करार दे रहे हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में राजनीतिक बहस फिर तेज हो गई है। आलोचक पूछ रहे हैं कि जब जरूरत थी तब नेताओं ने चुप्पी क्यों साधी? प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हसीला बील का यह मामला अब पुनर्वास, पारदर्शिता और न्यायसंगत कार्रवाई की मांगों के साथ और गहराता जा रहा है।

नवगठित उग्रवादी समूह डीएचडीयू के दस सदस्यों ने किया आत्मसमर्पण

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। नवगठित उग्रवादी समूह डिमासा हलान डुई यूनाइटेड (डीएचडीयू) के 10 सदस्यों ने कार्बी आंग्लांग पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। समूह के सदस्यों ने हथियार और गोला–बारूद जिले के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सैकिया को सौंपे। असम पुलिस ने रविवार को इसकी जामकारी दी। असम पुलिस ने बताया है कि खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान और कार्बी आंग्लांग पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के कारण यह सफलता मिली है। धनसिरी में आत्मसमर्पण हुआ है, जो खुफिया जानकारी पर आधारित निरंतर अभियान के बाद असम पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है। असम पुलिस ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के शांति और प्रगति के दृष्टिकोण के अनुरूप, कार्बी आंग्लांग पुलिस ने एक साथ आउटरीच के साथ–साथ खुफिया आधारित ऑपरेशन की एक श्रृंखला शुरू की। इसके परिणामस्वरूप डीएचडीयू नामक एक नया चरमपंथी समूह बनाने का प्रयास कर रहे 10 गुमराह युवाओं ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार समूह के सदस्यों ने जो हथियार पुलिस को सौंपे हैं, उनमें 1 एके सिरिज की रायफल, 3 पिस्तौल, 1 एसबी गन, 1 ग्रेनेड और गोला–बारूद शामिल हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सफलता की प्रशंसा करते हुए असम पुलिस के महानिदेशक हरमीत सिंह ने लिखा है कि शांति सुनिश्चित करना हमारा आदर्श वाक्य है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल में यह अभियान शुरू हुआ था, जब खुफिया जानकारी से पता चला था कि डीएचडीयू पहाड़ी जिलों में भूमिगत अलगाववादी आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए गुप्त रूप से लामबंद हो रहा है। मुख्य रूप से डिमासा आदिवासी समुदाय के युवाओं से मिलकर बने इस संगठन ने कथित तौर पर अधिक सदस्यों की भर्ती और हथियार इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि संगठन की योजनाओं का समय रहते पता लगाए जाने से क्षेत्र में सशस्त्र उग्रवाद के फिर से उभरने की संभावना को रोका जा सका। इस घटनाक्रम पर बोलते हुए एसपी संजीब कुमार सैकिया ने कहा कि यह आत्मसमर्पण सावधानीपूर्वक खुफिया समन्वय और समूह की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने का नतीजा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह आत्मसमर्पण कार्बी आंग्लांग में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जांच जारी है और पुलिस क्षेत्र में सद्भाव को बाधित करने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए दृढ़ संपल्पित है।

पानी में डूबने से दो छात्राओं की मौत

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत तामारहाट के बरखचुवा गांव में एक दुखद घटना घटी है। पानी में डूबने से यहां दो छात्राओं की मौत हो गई है। आज रविवार को स्कूल बंद होने के कारण बरजान गांव की दोनों छात्राएं मछली पकड़ने आई थीं। बरखचुवा गांव में एक गहरे गड्ढे में गिरने औप पानी में डूबने से दोनों की मौत हो गयी। मृतक छात्राओं की पहचान बोरजान गांव के जयनाल शेख की बेटी रेशमीना पारबीन और कुद्दूस शेख की बेटी कुलसूमा खातून उर्फ पारुल के रूप में की गई है। रेशमीना पारबीन बोरजान एमई स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा थी। जबकि कुलसूमा खातून छठी कक्षा में पढ़ती थी। स्थानीय लोगों ने दोनों को गहरे पानी में गिरते देख तुरंत बचाव में जुटेए दोनों को मूर्छित अवस्था में बाहर निकाला। परिवार के लोग दोनों को तामरहाट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए गौरीपुर नर्सिंग होम में ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

गुवाहाटी में चार अफगानी नागरिक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के हाथीगांव थाना क्षेत्र इलाके में गुवाहाटी की पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर चार अफगानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि हाथीगांव थाना क्षेत्र के लिटिल फ्लावर स्कूल के समीप एक किराए के मकान में चलाए गए अभियान के दौरान चार अफगानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अफगानी नागरिकों की पहचान अमन खान, रिजवान खान, युसूफ जहीर और आसिफ राणा के रूप में की गई है। पकड़े गए चारों अफगानी नागरिक अवैध तरीके से गुवाहाटी में किराए के मकान में रह रहे थे। उनके पास भारत में रहने की वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गैस रिसाव को लेकर शिवसागर में भड़का गुस्सा

शिवसागर(हिंस)। असम के शिवसागर जिले में स्थित ओएनजीसी के भाटियापार गैस कुएं से 12 जून से जारी गैस रिसाव को लेकर रविवार को जनाक्रोश और तेज हो गया। स्थानीय लोगों ने एसके पेट्रो सर्विसेज के मालिक कृष्ण अग्रवाल की गिरफ्तारी की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने *ओएनजीसी वापस जाओ* और *हमें न्याय चाहिए* जैसे नारे लगाए। इस विरोध में आम नागरिकों के साथ–साथ कलाकारों और स्थानीय नेताओं ने भी भाग लिया। असम के प्रसिद्ध संगीतकार, गायक और गीतकार मानस रॉबिन ने भी प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता प्रकट की। उन्होंने गैस रिसाव से प्रभावित सभी लोगों को उचित मुआवजा देने की मांग की और इस घटना की निष्पक्ष जांच पर जोर दिया। मानस रॉबिन ने कहा कि ऐसे ऑपरेशनों में हमेशा जोखिम होता है, लेकिन इसे कम करने के लिए ठोस सुरक्षा उपायों की जरूरत है। इस बीच ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को रिसाव स्थल का दौरा किया। असम एसेट के महाप्रबंधक केएन संगमा ने बताया कि रिसाव को नियंत्रित करने के लिए *कैपिंग* की प्रक्रिया अपनाई जा रही है और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हम एक निश्चित समयसीमा नहीं दे सकते, लेकिन इसे जल्द से जल्द नियंत्रित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि स्थानीय लोगों, तकनीकी विशेषज्ञों और कर्मचारियों को राहत मिले। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की सीयूडीडी प्रेशर कंट्रोल कंपनी के तीन अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ शनिवार को शिवसागर पहुंचे हैं। उन्होंने प्रारंभिक निरीक्षण कर लिया है और रविवार से गैस रिसाव रोकने के लिए तकनीकी कार्यवाई शुरू की है। इससे राहत कार्यों को नई गति मिलने की संभावना जताई जा रही है।

भारत की सनातन परंपरा में बौद्ध दर्शन और शिक्षाएं विषय पर व्याख्यान आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। *भारत की सनातन परंपरा में बौद्ध दर्शन और शिक्षाएं* विषय पर एक व्याख्यान आज गुवाहाटी के उजानबाजार स्थित विवेकानंद केंद्र में आयोजित किया गया। जिसका आयोजन सामाजिक–सांस्कृतिक संस्था प्रज्ञा और सामाजिक संगठन बुद्ध चेतना–भारत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य बौद्ध दर्शन और भारत की सनातन परंपरा के बीच संबंधों की पड़ताल करना था। कार्यक्रम की शुरुआत अरूप बुजरबरुवा के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्ज्वलन और फिर भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य वक्ता *असम गौरव* सौम्यदीप दत्ता ने बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों को बताते हुए व्याख्यान आरंभ किया। उन्होंने चार आर्य सत्य–दु:ख, उसके कारण, निवारण और मार्ग तथा अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या की। उन्होंने उस गलत विमर्श पर भी प्रकाश डाला, जो लगभग पिछले 120 से 150 वर्षों से यह स्थापित करने का प्रयास करता है कि बौद्ध धर्म पूरी तरह हिंदू धर्म से अलग है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश उपनिवेशवाद और बाद की राष्ट्रीय आंदोलनों ने बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म से अलग धर्म के रूप में प्रस्तुत करने में भूमिका निभाई। अब समय आ गया है कि इन भ्रांतियों के विरुद्ध खड़ा हुआ जाए और हिंदू धर्म तथा बौद्ध धर्म की समानताओं को उजागर किया जाए– जैसे दोनों परंपराएं प्राचीन भारत में उत्पन्न हुईं, समान सांस्कृतिक व दार्शनिक पृष्ठभूमि साझा करती हैं, मोक्ष या बोधि प्राप्त करना दोनों का उद्देश्य है। मार्ग और व्याख्याएं भले भिन्न हों, पर दोनों ही कर्म, धर्म और आध्यात्मिक उन्नति को महत्त्व देती हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में *असम गौरव* सौम्यदीप दत्ता, मुख्य अतिथि करुणा शास्त्री महाथेर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक बासिष्ठ बुजरबरुवा, प्रज्ञा के महासचिव हितेश्वर चक्रवर्ती, बुद्ध चेतना भारत की समन्वयक नबनीता शर्मा और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। छात्र, शोधार्थी एवं दर्शन और आध्यात्म में रुचि रखने वाले लगभग 250 प्रतिभागी इस आयोजन में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन से पूर्व प्रश्नोत्तर सत्र से पहले मुख्य अतिथि करुणा शास्त्री महाथेर को प्रज्ञा और बुद्ध चेतना भारत द्वारा सम्मानित किया गया।

कोकराझाड़: *धरती आबा जनभागीदारी अभियान* के तहत विशेष शिविर शुरू

कोकराझाड़। भारत सरकार की एक प्रमुख पहल *धरती आबा जनभागीदारी अभियान* वर्तमान में कोकराझाड़ जिले में चल रही है, जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों को केंद्रित आउटरीच, जागरूकता और सेवा वितरण के माध्यम से सशक्त बनाना है। इस अभियान के तहत, जनजातीय अधिकारों और हकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, कल्याणकारी योजनाओं में नामांकन की सुविधा प्रदान करने और सरकारी लाभों का प्रत्यक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए जिले भर के आदिवासी गांवों में 20 जून से 8 जुलाई 2025 तक विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य, कृषि और बैंकिंग संस्थान जैसे विभाग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, स्वास्थ्य जांच, वित्तीय समावेशन सहायता, कृषि सहायता और योजना–संबंधी मार्गदर्शन सहित सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। जन भागीदारी की भावना से प्रेरित यह अभियान समावेशी विकास और जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम छोर तक वितरण तंत्र को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आठवीं ऑल कामरूप जिला तैराकी प्रतियोगिता संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। असम तैराकी संघ के अधीन आल कामरूप जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में आयोजित आठवीं आल कामरूप जिला तैराकी प्रतियोगिता रविवार को गुवाहाटी स्थित डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक कांप्लेक्स में भव्य रूप से संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में कामरूप महानगर और कामरूप ग्रामीण जिलों के कुल 250 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। सुबह 8 बजे से आरंभ हुई इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कुल 82 इवेंट्स में भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन पर विजयी छात्र–छात्राओं को असम तैराकी संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास, प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी, अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त तैराक फारिहा जमान, आल कामरूप जिला तैराकी संघ के सचिव नवज्योति गोगोई, प्रशिक्षक बाबुल गुरुंग, मोमी बर्मन, डेविड चेतिया, रविंद्र मोदक और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

कोकराझाड़ पहुंचे राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई का भव्य स्वागत

मजबूती के साथ बीटीसी चुनाव लड़ने का किया एलान

कोकराझाड़(हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई रविवार को कोकराझाड़ पहुंचे, जहां कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। वह आगामी बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) चुनावों से पहले बोड़ोलैंड क्षेत्र में पार्टी की पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे हैं। गौरव गोगोई डाउन राजधानी एक्सप्रेस से यात्रा करते हुए कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां उनके स्वागत के लिए समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्टेशन पर *गौरव गोगोई जिंदाबाद* के नारे गूंज रहे थे। उत्साही पार्टी कार्यकर्ता अपने नेता की एक झलक पाने के लिए स्टेशन पर उमड़ पड़े। अपने कोकराझाड़ दौरे के दौरान, गौरव गोगोई अडानी समूह को 3,400 बीघा विवादास्पद भूमि आवंटन का निरीक्षण करने के लिए बाशबारी क्षेत्र का दौरा करेंगे। यह राज्य में एक ऐसा मुद्दा उठा है, जिसने महत्वपूर्ण सार्वजनिक और राजनीतिक बहस को जन्म दिया है। अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत में गोगोई ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और बीटीसी नेतृत्व की तीखी आलोचना की, उनपर आम लोगों के कल्याण की तुलना में कॉर्पोरेट हितों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। गौरव गोगोई ने कहा कि असम के लोगों को जमीन नहीं मिली है, लेकिन बड़े कॉरपोरेट घरानों को मिली है। कल्याणकारी योजनाओं की आड़ में आम नागरिकों को 1,000 या 2,000 रुपए दिए जाते हैं, जबकि मंत्री और उनके परिवार 10 लाख, 20 लाख, यहां तक कि 30 लाख रुपए का लाभ लेकर भाग जाते हैं। गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं को मंत्रियों और विधायकों के परिवारों ने हड़प लिया है। गोगोई ने साफ किया कि कांग्रेस पार्टी गठबंधन में शामिल हुए बिना स्वतंत्र रूप से बीटीसी चुनाव लड़ेगी और क्षेत्र में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। गौरव गोगोई के दौरे से बीटीसी चुनाव में राजनीतिक रूप से सरगर्मी के बढ़ने की संभावना दिखने लगी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल और श्रद्धा का केंद्र महामाया मंदिर का भी दौरा करेंगे। अपने दौरे की कड़ी में कांग्रेस नेता तुलसीबिल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे, जिसमें स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सीधे बातचीत करके बीटीसी क्षेत्र में कांग्रेस अभियान के लिए समर्थन जुटाने का प्रयास किया जाएगा।

गुवाहाटी में बाहरी राज्यों के पांच चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने वाहनों का ग्लास तोड़ कर चोरी करने के आरोप में पांच चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीते 12 और 17 जून को बेलतला और वशिष्ठ में गाड़ी का ग्लास तोड़कर नगद धन के अलावा अन्य सामान चोरी करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर वशिष्ठ थाना प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में महानगर के विभिन्न इलाकों में चलाए गए अभियान के दौरान पांच चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान तमिलनाडु निवासी विशाल नायडू, शंकर नायडू और काटी एरामगम नायडू के रूप में की गई है। जबकि अन्य दो चोरों की पहचान महाराष्ट्र के कदबेल एरामगम नायडू और वेस्टेज मराना नायडू के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपित गुवाहाटी के कामाख्या, चांदमारी पलटन बाजार, पानबाजार, वशिष्ठ आदि इलाकों में वाहनों का ग्लास तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। पकड़े गए सभी चोर तृषि गैंग के बताए गए हैं।

रंगिया सम–जिला प्रशासन ने मनाया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रंगिया (विभास)। विश्वभर के साथ साथ रंगिया सम जिला प्रशासन द्वारा भी शनिवार को योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया सम जिले के आयुक्त देवाशीष गोस्वामी के दिशा निर्देश पर इसका आयोजन रंगिया महाविद्यालय के इंदौर स्टेडियम प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी के स्वागत भाषण के साथ प्रात: 6.15 बजे किया गया। जिसमें रंगिया की अग्रणी स्वेच्छा सेवी संस्था साधना के सचिव तथा योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने योगाभ्यास कराया तथा इसके गुणों के बारे में जानकारी दी। समारोह में मुख्य अतिथि रहे स्वस्ति अस्पताल के परिचालन संचालक डॉ. हितेंद्र कलिता ने लोगों से मन, शरीर और आत्मा के समग्र विकास के लिए योग को अपनी दिनचर्या बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंतर्गत साधना द्वारा प्रकाशित योग प्रभाती पत्रिका के 11वें अंक का विमोचन सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में कलाकार पेंशनभोगी नरेंद्र शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश मोहंतो, रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर रानू चौधूरी सहित रंगिया सम जिला प्रशासन के अंतर्गत बहुत से अधिकारी और कर्मचारी व कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

शिवसागर के भाटियापाड़ा इलाके में पहुंचेगा प्रदेश भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी (हिंस)। शिवसागर जिले के भाटियापारा क्षेत्र में ओएनजीसी के तेल कुंए से गैस रिसाव के चलते प्रभावित स्थानीय लोगों की स्थिति का आकलन करने तथा रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद दिलीप सैकिया ने उपाध्यक्ष तपन कुमार गोगोई के नेतृत्व में एक समिति गठित की है। इसकी जानकारी आज प्रदेश भाजपा ने दी है। इस समिति में असम सरकार के मंत्री योगेन मोहन, सांसद व पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा, राज्य उपाध्यक्ष पुलक गोहाई, विधायक सुशांत बूढ़ागोहाईं तथा शिवसागर जिला भाजपा अध्यक्ष वितुपन रायदोंगिया को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी प्रभावित इलाके का दौरा कर सरकारी स्तर पर जरूरी कदम उठाए हैं। तपन गोगोई के नेतृत्व में गठित समिति मौके पर जाकर प्रभावितों से संवाद कर हालात का निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंपेगी। इस बाबत पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से एक आधिकारिक बयान जारी किया गया है।

मारवाड़ी सम्मलेन, कोकराझाड़ शाखा का शपथ विधि सामारोह का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के कोकराझाड़ मारवाड़ी सेवसादन (युवामंच) के भवन में आज मारवाड़ी सम्मलेन कोकराझाड़ शाखा का शपथ विधि सामारोह का आयोजन किया गया। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश जी काबरा बिशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश जी हरलालका प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) बिनोद लोहिया, प्रांतीय सयुक्त मंत्री बीरेन अग्रवाल उपस्थित थे। इस सभा की अध्ययता किशनलाल नहता ने किया। साथ ही मंच का संचालन राहुल शर्मा ने किया। इस सभा में मारवाड़ी सम्मलेन कोकराझाड़ शाखा मनोनीत अध्यक्ष सुनील अंचलिया मंत्री गौतम भूरा सहित अन्य लोगों ने सपत ग्रहण किया। इस सभा में उपस्थित अतिथियों ने अपना अपना भाषण रखा वही इस कार्यक्रम में बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष अनिल जी सुरेना, सचिव राज कुमार कोटारी, बंगाईगांव महिला शाखा के अध्यक्ष मंजू देबी दुगर, गोसाईगांव शाखा के अध्यक्ष सत्यनारायण जी सचिव कालूराम जी उपस्थित थे इसके साथ ही कोकराझाड़ के मारवाड़ी युवा मंच, जागृति शाखा और पंचायत समिति के साथ साथ अन्य भी मारवाड़ी समिति के सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर सवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर की मुलाकात को कई तरह से देखा जा रहा है। विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस इसे भारत की कूटनीतिक असफलता के तौर पर प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए।

राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए।

अब डोनाल्ड ट्रंप के मन में अचानक से जिहादी मानसिकता के पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर के प्रति प्यार उमड़ आया है। वैश्विक पटल पर सभी देश अपनी सुविधा एवं लाभ की दृष्टि से आपसी संबंधों को आकार देने का प्रयास करते हैं। वही कार्य अमेरिका ने करने की कोशिश की है। क्योंकि इस समय अमेरिका की नजर पाकिस्तान की जमीन पर है, जिसका उपयोग वह इजराइल-ईरान युद्ध में आवश्यकता पड़ने पर कर सकता है। कहना होगा कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिका का यह प्रेम निःस्वार्थ नहीं है अपितु इसके पीछे अमेरिका के अपने स्वार्थ हैं। अमेरिका ने प्रारंभ से पाकिस्तान का उपयोग अपने हितों को साधने के लिए किया है। कुछ डॉलर की सहायता देकर पाकिस्तान को एक प्रकार से अमेरिका किराए पर ले लेता है। अफगानिस्तान में तालिबान के विरुद्ध अपनी कार्यवाई में अमेरिका ने यही किया था। यही कारण है कि आज तालिबान और अफगानिस्तान के आम नागरिक भी पाकिस्तान से नफरत करते हैं। ट्रंप के साथ मुनीर के खाना खाने पर सवाल तो अमेरिका में उठने चाहिए। एक ओर पाकिस्तान में ईरान के समर्थन में और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुनीर ईरान के खिलाफ अपनी जमीन के उपयोग का सौदा अमेरिका के साथ कर रहे हैं। एक और बात इससे साफ होती है कि पाकिस्तान में मुनीर ही 'सुपर बॉस' हैं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो केवल दिखाने के हैं। मुनीर को लेकर जनता में आक्रोश है। यह पहले सेनाध्यक्ष होंगे, जिनका अमेरिका में जमकर विरोध हुआ है। पाकिस्तान के नागरिकों ने अमेरिका में जगह-जगह मुनीर को 'लोकतंत्र का कातिल' बताते हुए प्रदर्शन किए हैं। सवाल अमेरिका पर भी उठ रहा है कि वह जेहादी मानसिकता के सेनाध्यक्ष को गले लगाएगा, तब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के उसके दावे खोखले ही नजर आएंगे। अमेरिका का हित साधने के चक्कर में ट्रंप आग से खेल रहे हैं। यह भी देखना होगा कि पाकिस्तान जब अमेरिका की गोद में बैठेगा तब क्या वह चीन की गोदी छोड़ देगा या चीन ही उसे दुत्कारेगा? बहरहाल, इस घटनाक्रम के बाद बन रहे वातावरण पर भारत को बारीक नजर रखनी होगी।

कुछ अलग

अब यही मेरी दुनिया है

हर स्त्री का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, डरना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वही मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। अब वह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायके जाना 'ज्यादा नहीं शोभा देता'। वहाँ के दुःख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'। वह जानती है कि अब वह कभी उस गोद में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता कहा जाता था। अब उसके आँसू पोछने के लिए भाई की बाँह नहीं है। अब वह किसी को नहीं कह सकती कि ₹मैं थक गई हूँ₹, क्योंकि अब उसे ही सबको संभालना है। वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सास का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी ज़िम्मेदारी—वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं। रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब ज़रूरतें रह जाती हैं। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अब सिर्फ एक स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँधियाँ क्यों न चल रही हों। जब कोई कहता है, ₹बेटी थक गई होगी,₹ तो एक मौन गूंजता है—न कोई आवाज़, न कोई शिकायत। क्योंकि उसे मालूम है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं। वह आँसू भी अपने आँचल से ही पोंछ लेती है और खुद को समझा लेती है, ₹अब यही मेरी दुनिया है।₹ यह चुप्पी हार नहीं है, यह एक हथियार है—संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वही चुप्पी है जो स्त्रियों को सहने की नहीं, समझने की शक्ति देती है। यह चुप्पी उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से 'नायिका' बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है। स्त्रियाँ उस घर को 'अपना' मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है।

इजरायल के नामोनिशान मिटाने की बार-बार घोषणा की और ईरान राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भी बना दिया

यह युद्ध किधर जा रहा है

अवधेश कुमार

ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक , राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी।

इजरायल ईरान युद्ध संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने वाला है और भारत इसके परिणामों से किसी दृष्टि से अप्रभावित नहीं रह सकता। यह केवल तेल जैसे आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी इसके परिणाम दिखाई देंगे। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान और इराक युद्ध से इस समय भीषण युद्ध खाड़ी के अंदर चल रहा है। ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक , राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी। दूसरी ओर पूरे मुस्लिम जगत का एक बहुत बड़ा वर्ग मान रहा है कि अयातुल्लाह खामेनेई के नेतृत्व में इस्लामी क्रांति के पीछे जो दृश्य अदृश्य शक्तियां हैं वो ईरान को कभी पराजित नहीं होने देंगी। ईरान के हमले से तेल अबीब सहित कई जगह कुछ विध्वंस देखे गए। सर्वाधिक सुरक्षित हाइफा बंदरगाह के भी क्षति पहुंचाने के समाचार आए। यह भी सूचना हमारे बीच है कि इजरायल के मिसाइल को कई जगह ईरान ने रोकने में सफलता पाई तथा उसके मिसाइलों ने इजरायल की मिसाइल रक्षा प्रणाली तक को भी कई बार भेदा है। तो फिर इस युद्ध का सच क्या है और इसके परिणाम क्या हो सकते हैं? भूगोल आबादी और संसाधन की दृष्टि से देखें तो ईरान का क्षेत्रफल इजरायल से 10 गुना ज्यादा तथा आबादी इससे भी ज्यादा है। दोनों के सुरक्षा बलों की संख्या में भी कोई तुलना नहीं है। कहां 90 लाख का देश और कहां 10 करोड़ की आबादी। उस आबादी में भी एक बड़े वर्ग के अंदर इस्लामी क्रांति के तहत जिहाद और मजहब के विजय की भावना भरी हुई। दूसरी ओर 1979 के बाद चाहे अयातुल्लाह खोमैनी हों या अयातुल्लाह खामेनेई या फिर वहां के निर्वाचित राष्ट्रपति, सबने धरती से इजरायल के नामोनिशान मिटाने की बार-बार घोषणा की और ईरान राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भी बना दिया। इसके बावजूद आज तक कुछ नहीं कर सके। उल्टे जितने युद्ध अरब में हुए इजरायल सबमें व्यावहारिक रूप से विजेता बनकर उभरा और कैंप डेविड से लेकर अभी तक सारे समझौतों में इजरायल के सामने बहुत कुछ खोने की नौबत नहीं आई। दूसरे, वर्तमान युद्ध में ईरान का सक्रिय साथ देने वाला एक भी देश इस समय नहीं है। जिस चीन, रुस, उत्तर कोरिया या कुछ इस्लामी देशों से उसे उम्मीद थी किसी ने भी इजरायल के विरुद्ध संघर्ष करने की तो छोड़िए, आक्रामक बयान तक नहीं दिया है। एकमात्र पाकिस्तान ने ही मुखर होकर

ईरान का समर्थन किया। पाकिस्तान की हैसियत स्वयं इस्लामी जगत में ही इतनी बड़ी नहीं कि वह अपने साथ किसी देश को युद्ध के लिए खड़ा कर सके। ईरान के लिए यह हतप्रभ करने वाली स्थिति है कि संकट की इस घड़ी में कोई देश उसके साथ सक्रिय रूप से आगे नहीं आया। शांति की बात करने वाले कुछ देश जरूर हैं। कुछ अन्य कारक भी ईरान के विरुद्ध और इजरायल के पक्ष में जाते हैं। इजरायल ने अभी तक ईरान के तीनों सेना प्रमुखों ,अनेक शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सबसे एलिट माने जाने वाले इस्लामी क्रांति के बाद उत्पन्न ईरान रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख को एक ही हमले में समाप्त कर दिया। उसके साथ अनेक शीर्ष परमाणु नाभिकीय वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। उसके इंटेलिजेंस चीफ यानी खुफिया प्रमुख भी मारे जा चुके हैं। स्वयं अयातुल्लाह खामेनेई और उनके बेटे मोजताबा दोनों के बारे में इतनी जानकारी है कि वे कहीं छिपे हुए हैं। ध्यान रखिए , ईरान ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इजरायल के किसी बड़े सैन्य अधिकारी व नाभिकीय वैज्ञानिक आदि को मारने में सफलता नहीं पाई है। ईरान के मिसाइल इजरायल पर अंधा धुंध हमले कर रहे हैं और उसे ज्यादातर नागरिक स्थल ही ध्वस्त हुए हैं। इस्लामी क्रांति के बाद आयतुल्लाह खोमैनी और खामेनेई ने ईरान को इस्लाम का नेता बनाने के लिए फिलिस्तीन मुद्दे को सबसे आगे किया। उन्होंने जिस तरह के भाषण दिए उससे विश्व भर के मुसलमानों के एक बड़े वर्ग के अंदर फिलिस्तीन की जज्बाती मजहबी समर्थन का भाव भी पैदा हुआ। सीधे संघर्ष की जगह ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हुती विद्रोही पैदा किया तो सुन्नियों के समर्थन के लिए इस्लामिक ब्रदरहुड के भाग के रूप में फिलिस्तीन में हमास। इन्हीं के माध्यम से वह इजरायल को लगातार घाव देता रहा है। इजरायल ने ईरान पर निर्णायक हमले के पूर्व जो कुछ किया वह हमारे सामने है। उसने हिज्बुल्ला को नेस्तनाबूत किया और उसके प्रमुख नसीरूल्लाह सहित सारे शीर्ष कमांडरों को समाप्त कर दिया। लेबनान को इस स्थिति में नहीं छोड़ा कि वह ईरान के साथ खड़ा हो सके। हमास को भी विनाश के कगार पर पहुंचा दिया और उसके प्रमुख इस्माइल हानियां तक को पिछले साल खत्म कर दिया। हूती को अमेरिका के साथ कमजोर किया। हालांकि इस समय हुती लाल सागर में गतिविधियां दिखा रहे हैं लेकिन उन पर भी जबरदस्त मार पड़ रही है। इसके साथ इजरायल धीरे-धीरे ईरान के प्रमुख शीर्ष सैन्य रणनीतिकारों और नाभिकीय वैज्ञानिकों तक को मौत के घाट उतारता रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल की पश्चिम एशिया यात्रा के दौरान सीरिया के सत्ता पर काबिज पूर्व आतंकवादी अहमद अल शराब उर्फ अबू मोहम्मद अल जुलानी से हाथ मिलाया तो उसके पीछे भी रणनीति थी कि वह इब्राहिम अकॉर्ड यानी समझौता पर हस्ताक्षर करे जिसमें इसराइल को मान्यता देने की बात है। वे जिन देशों में गए वहां उन्होंने ईरान के विरुद्ध इजरायल के पक्ष में वातावरण बनाया। इसका परिणाम देखिए कि हमास के समर्थक कुछ पत्रकारों को अरब देशों के अंदर ही गिरफ्तार कर सजा दी गई या उन्हें मार डाला गया। इनमें सऊदी अरब भी शामिल है जो कट्टर सुन्नी देश है। आज स्थिति यह है कि मोहम्मद पैगंबर साहब के वंशजों के शासन के अधीन वाला देश जॉर्डन इजरायल के विमान को जाने की अनुमति दे रहा है लेकिन ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका पूरी तरह इजराइल के साथ खड़ा है और अगर ईरान का पलड़ा कहीं से मजबूत दिखा तो वह कभी भी हस्तक्षेप करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की तो उसके पीछे भी निश्चित रूप से उन्हें इस युद्ध से दूर रहने के लिए तैयार करना रहा होगा। भारत की दृष्टि से देखें तो ईरान से हमारे संबंध अच्छे माने जाते हैं। पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति से लेकर अन्य रणनीतिक मामलों में ईरान के समुद्री मार्गों की हमें आवश्यकता है । दूसरी ओर ईरान से संबंधों की सीमाएं रही है। पिछले वर्ष अयातुल्लाह खामेनेई ने भारतीय मुसलमान की फिलिस्तीन से तुलना करते हुए पोस्ट लिखा था। कश्मीर मामले पर उसका बयान भारत विरुद्ध रहा है। पाकिस्तान में उसका लक्ष्य केवल सुन्नी मुसलमानों के शासन को मजबूत नहीं होने देना है अन्यथा उसकी नीति कहीं भी भारत के पक्ष में नहीं है। बलूचिस्तान के एक भाग पर उसका कब्जा है तथा वह भी पाकिस्तान की तरह ही बलूचियों का दमन कर रहा है। ईरान का पूरा इतिहास देखें तो कभी भी कठिन परिस्थिति में वह भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ। इसलिए जो लोग भी ईरान को लेकर छाती पीट रहे हैं उन्हें भारत के साथ संबंधों में इजरायल और ईरान के व्यवहार की निष्पक्षता और ईमानदारी से तुलना करनी चाहिए। कोई नहीं कहता कि आयतुल्लाह खामेनेई का ईरान अचानक घुटने टेक देगा। उसके पास मिसाइल, ड्रोन, लड़ाकू विमानों से लेकर बड़े शस्त्रागार हैं । किंतु वह इजरायल या उसके साथ देने वाले अमेरिका के मुख्य सामरिक स्थलों को ध्वस्त कर उन्हें हमला न करने की स्थिति में लाने की क्षमता नहीं दिखा पाया है। तो इस युद्ध के परिणाम ईरान के पक्ष में नहीं जा सकते। इसमें अगर अयातुल्लाह खामेनेई का पतन होता है तो यह 1979 के इस्लाम के नाम तथाकथित क्रांति द्वारा सत्ता कब्जाने तथा उसके बाद पैदा हुए संपूर्ण अरब में कट्टरपंथ के दौर के बाद का एक नया चरण आरंभ होगा। इसका प्रभाव विश्व एवं भारत पर निश्चित रूप से पड़ेगा।

देश दुनीया से

आधी आबादी, अधूरी भागीदारी

21वीं सदी की सबसे बड़ी क्रांतियों में एक है—महिलाओं की भागीदारी का बढ़ना। फिर भी, जब वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम ने ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2025 जारी किया, तो भारत का 131वां स्थान यह संकेत देता है कि विकास के तमाम दावों के बावजूद महिला सशक्तिकरण केवल नारों में सिमट कर रह गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है, पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक भागीदारी में भारत की स्थिति चिंताजनक है। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स हर वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी की जाती है और इसमें चार प्रमुख क्षेत्रों में लैंगिक समानता का मूल्यांकन किया जाता है: आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धियां, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, और राजनीतिक सशक्तिकरण। 2025 की रिपोर्ट में भारत 146 देशों में 131वें स्थान पर है, जबकि 2024 में यह 129वें स्थान पर था। यानी हम दो पायदान और नीचे गिर गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने कुछ उपलब्धियाँ ज़रूर हासिल की हैं। प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन दर लगभग समान हो चुका है, किंतु उच्च शिक्षा में भागीदारी अभी भी असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल ड्रॉप-आउट रेट लड़कियों में अधिक है, खासकर किशोरावस्था के बाद। शिक्षा सिर्फ स्कूल जाने तक सीमित नहीं है, वह अवसर, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता भी देती है—जो अभी भी बहुसंख्यक लड़कियों के हिस्से नहीं आई है। आर्थिक भागीदारी के मामले में तस्वीर और भी चिंताजनक है। भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर मात्र 25% के आसपास है, जबकि वैश्विक औसत 47% है। भारत

की बड़ी आबादी होने के बावजूद महिलाओं का सीमित आर्थिक योगदान देश की उत्पादकता और समावेशी विकास को रोकता है। महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन नहीं मिलता। वे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करती हैं जहाँ उन्हें पेंशन, मातृत्व लाभ या सामाजिक सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं मिलती। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भारत की स्थिति और भी कमजोर है। यही कारण है कि ग्लोबल इंडेक्स में भारत को सबसे कम अंक राजनीतिक सशक्तिकरण में ही मिले हैं। संसद में महिला सांसदों की संख्या अभी भी 15% से कम है। राज्य विधानसभाओं की तस्वीर भी कुछ अलग नहीं है। पंचायत स्तर पर भले ही 33% आरक्षण है, पर वहाँ भी महिलाओं का नाम तो होता है, पर सत्ता उनके पति या ससुर के हाथों में होती है—यानी "सरपंच पति" जैसे शब्द अब हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। भारत की यह स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है जब हम अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं। बांग्लादेश (99वां), नेपाल (117वां), और श्रीलंका (123वां) जैसे देश भारत से आगे हैं, जबकि पाकिस्तान (148वां) सबसे नीचे है। बांग्लादेश ने महिला नेतृत्व को राजनीतिक रूप से मजबूती दी है और महिला श्रम भागीदारी भी बेहतर की है। यह बताता है कि संसाधनों से ज़्यादा ज़रूरी है इच्छाशक्ति और सामाजिक सोच में परिवर्तन। राजनीति केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक विमर्श को दिशा देने वाला मंच होता है। जब संसद, विधानसभा और कैबिनेट में महिलाएं होंगी, तभी उनके मुद्दे—महिला सुरक्षा, मातृत्व स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक न्याय—वास्तविक प्राथमिकता बन पाएंगे। परंतु, भारत में अभी भी महिला नेताओं को "किसी की पत्नी" या "किसी की बेटी" मानने की मानसिकता हावी है। नेतृत्व की गुणवत्ता से ज़्यादा वंश और पुरुष संरक्षक को देखा जाता है। गाँव और छोटे शहरों में महिलाओं की वास्तविक स्थिति इससे भी ज्यादा जटिल है। आज भी बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा और ऑनर किलिंग जैसी घटनाएँ महिला सशक्तिकरण पर कलंक हैं। कितनी ही महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें बैंक खाता, संपत्ति अधिकार या कानूनी संरक्षण के बारे में जानकारी नहीं। सरकारी योजनाएँ जैसे उज्ज्वला या बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ दिखती तो हैं, पर उनका जमीनी असर आंकड़ों में नहीं दिखता। हालाँकि इन तमाम अंधेरों के बीच कुछ रोशनियों की किरणें भी हैं। स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों के ज़रिए कई महिलाओं ने छोटे-छोटे ऑनलाइन व्यापार शुरू किए हैं। कई महिलाएं खेलों, विज्ञान, और तकनीक के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रही हैं। पीवी सिंधु, अवनी लेखरा, और इसरो की महिला वैज्ञानिक रितु करिधाल जैसे नाम उदाहरण हैं कि अवसर और विश्वास मिले तो महिलाएं सिर्फ घर नहीं, दुनिया बदल सकती हैं।

आप का नजरीया

अमेरिका का लांच पैड बनेगा पाक

पैड बनेगा पाक पाकिस्तान पर प्रायः हमलावर रहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिर पाकिस्तान के कठमुल्ला मानसिकता के सेना प्रामुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में बुलाकर जिस तरह पुचकारने की रणनीति बनाईं वह ठीक उसी तरह है जैसे 1983 में तत्कालीन जनरल जिया उल हक को व्हाइट हाउस में बुलाकर राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने पुचकारा था। दरअसल किसी भी देश के राष्ट्रपति या प्राधानमंत्री आमतौर पर दूसरे देशों के अपने समकक्ष नेताओं से ही मुलाकात करते हैं। सेना प्रामुख जैसी शख्सियतों से मुलाकातें नहीं हुआ करती। जिया-उल-हक सेना प्रामुख के साथ एक तानाशाह राष्ट्रपति भी थे। ऐसे में जब राष्ट्रपति ट्रंप ने लीक से हटकर पाकिस्तान के सेना प्रामुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तो सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इसके मायने क्या हैं! इस मुलाकात से पाकिस्तान के लोग पूलकर वुप्पा हुए जा रहे हैं। मतलब पाकिस्तान इसे अपने लिए बढ़त के तौर पर देख रहा है। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी बर्बादी की पटकथा लिखना शुरू कर दी है। सवाल है कि क्यों? अमेरिकी रणनीति और पाकिस्तान की डालरों की लालच या उसकी लाचारी का विश्लेषण करें तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जिस तरह जिया-उल-हक को भोजन कराकर रोनाल्ड रीगन ने पाकिस्तान को तत्कालीन सोवियत संघ की सेना के खिलाफ मुजाहिद्दीन गढ़ने के लिए तैयार किया था, ठीक उसी तरह डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर को भोजन कराकर ईंरान के खिलाफ हमले के लिए पाकिस्तान को नाका चुंगी और लांच पैड की तरह इस्तेमाल करने का अवसर तलाश लिया है। पाकिस्तान से ईंरान की 900 किमी से ज्यादा की सीमा लगती है। अमेरिका पड़ोसी का इस्तेमाल करके ही अपने शत्रु देशों के खिलाफ युद्ध करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति, सेना और डिप्लोमैट अच्छी तरह जानते हैं कि अमेरिका को यह सुविधा पाकिस्तान के अलावा कोईं और देश मुहैया नहीं करा सकता। उन्हें यह भी पता है कि प्राधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मुनीर के सामने कईं औकात नहीं है। इसलिए मुनीर को पुचकार कर वाशिगटन डीसी न सिर्प उसके हवाईं अड्डों को लांच पैड के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है बल्कि ईंरान के प्राति मुस्लिम ब्रदरहुड के गुब्बारे की हवा भी निकाल सकता है। अभी तो ईंरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेईं पूरी दुनिया के मुसलमानों से एक होने की आवाज लगा रहे हैं तो कुछ देशों ने खुसर पुसर करना भी शुरू कर दी है। ओआईंसी के 57 देशों में से कोईं भी ईंरान के साथ खड़ा नहीं दिख रहा है। दिख तो यह रहा है कि ईंरान के पड़ोसी मुस्लिम देश इजरायल की ही मदद कर रहे हैं। पाकिस्तान ने भी इजरायल हमले के तुरन्त बाद अपनी प्रातिव्रिया व्यक्त करते हुए ईंरान के प्राति सहृदयता दिखाईं थी। यही नहीं तुका से लेकर सऊदी अरब और यूएईं ने भी इजरायल हमले की निन्दा की थी। यह दूसरी बात है कि ये सभी इस्लामिक मुल्क दिल और दिमाग से पूरी तरह ईंरान के परमाणु कार्यंव्राम के खिलाफ हैं। वे इजरायल के हमले को उचित नहीं मानते किन्तु वे ईंरान के परमाणु कार्यंव्राम के क्षेत्र में शक्ति संतुलन के खिलाफ भी मानते हैं। अब ट्रंप और उनके सहयोगी चाहते हैं कि मुस्लिम दुनिया में भी अयातुल्ला खामनेईं को अलग-थलग किया जाना जरूरी है। ईंरान शिया बहुल देश है और उसके पड़ोसी सुन्नी हैं। इसलिए भी ईंरान को किसी मुस्लिम देश का समर्थन नहीं मिल रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान को ट्रंप की इस रणनीति का हिस्सा बनने से क्या लाभ होगा? पाकिस्तान यह दावा तो कर ही सकता है कि वह भी अमेरिका का रणनीतिक पार्टनर है किन्तु अब एक बार फिर वह उसी तरह इस्तेमाल होगा जैसे जिया-उल हक के समय में अफगानिस्तान में हुआ फिर मुशर्रफ के वक्त भी अफगानिस्तान में हुआ था। दोनों ही बार पाकिस्तान जनाकांक्षाओं एवं हितों के विरुद्ध और फौजी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अमेरिकी सेना और खुफिया तंत्र का लांचिग पैड बना। यह हैरानी की बात जरूर है कि सेवारत सैन्य प्रामुख को पहली बार व्हाइट हाउस में बुलाया गया है। अमेरिका ऐसा देश है जो अपने हित के लिए किसी का भी पैर पकड़ सकता है और जब उसे लगता है कि उसके हित प्राभावित हो सकते हैं तो वह गला भी दबा सकता है। इसलिए किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जनरल मुनीर खुद नहीं बल्कि देश की जनता को बलि का बकरा बनाने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को ईंरान को घेरने के लिए मदद हेतु कईं तरह की आर्थिक और मिलिट्री मदद का लालच तो दिया किन्तु मुनीर को यह भी चेतावनी दी कि यदि वह मदद नहीं करता तो उस पर तमाम प्रातिबंध लग जाएंगे।

दृष्टि कोण

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल

ऑपरेशन सिदूर से लेकर अमेरिका में न रुकने तक, हर निर्णय में भारत की विदेश नीति की परिपक्वता और रणनीतिक सोच साफ तौर पर दिखाईं देती है। यही कारण है कि अब दुनिया भारत की बात सिर्प सुनती नहीं, उस पर गंभीरता से विचार भी करती है। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुईं हालिया टेलीफोनिक बातचीत वैश्विक वूटनीति और भारत की विदेश नीति के लिहाज़ से एक अहम मोड़ साबित हुईं है। लगभग 35 मिनट तक चली इस बातचीत में न सिर्प क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुईं, बल्कि भारत-पाकिस्तान तनाव, ऑपरेशन सिदूर और भारत- अमेरिका संबंधों की दिशा को लेकर भी बड़े स्तर पर रणनीतिक विमर्श सामने आया। हालांकि यह मुलाकात जी7 सम्मेलन के दौरान आमने-सामने होने वाली थी, लेकिन ट्रंप की अमेरिका वापसी के कारण दोनों नेताओं को फोन पर बात करनी पड़ी। इस पूरे घटनाम में सबसे दिलचस्प और चर्चित पहलू यह रहा कि ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने विनम्रता पूर्वक ठुकरा दिया, और इसकी वजह सिर्प राजनयिक व्यस्तता नहीं थी, बल्कि गहरी रणनीतिक सूझबूझ और राजनीतिक परिपक्वता भी इसके पीछे काम कर रही थी। बातचीत की शुरुआत ट्रंप के उस अनुरोध से हुईं जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे कनाडा से लौटते समय अमेरिका रुकते हुए जाएं और व्हाइट हाउस में उनसे मिलें। परंतु, पीएम मोदी ने यह न्योता यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उन्हें अपनी पहले से तय ोएशिया यात्रा के लिए निकलना है। यह निर्णय सिर्प औपचारिक कारणों से नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक संकेत छुपा हुआ था।

दरअसल, उसी दिन ट्रंप के साथ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की लंच पर बैठक पहले से निर्धारित थी। ऐसे में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा राजनीतिक रूप से भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती थी। एक ही दिन, एक ही जगह भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फौजी प्रमुख का उपस्थित होना न केवल भारत की वूटनीतिक स्थिति को कमजोर करता, बल्कि वैश्विक पटल पर गलत संदेश भी जाता। इस बातचीत में ऑपरेशन सिदूर विशेष चर्चा का विषय रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को विस्तार से बताया कि वैसे भारत ने 6-7 मईं की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिवृत कश्मीर में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाईं सटीक, नपी-तुली और गैर-भड़काऊ थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को एक सीमित 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि एक पूर्ण युद्ध के रूप में देखता है। मोदी ने बताया कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत ने गोले से दिया है, और यह नीति भविष्य में भी जारी रहेगी। प्रधानमंत्री ने ट्रंप से यह भी कहा कि इस पूरे घटनाम में कभी भी अमेरिका की ओर से कोईं मध्यस्थता नहीं हुईं, न ही भारत ने इसकी कोईं मांग की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न भविष्य में करेगा। यह बात भारत की विदेश नीति की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को दर्शाती है। विदेश सचिव विाम मिसरी ने बाद में इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सैन्य कार्रवाईं को रोकने की बात भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीधे सैन्य चैनल के जरिए हुईं थी, और वह भी पाकिस्तान के आग्रह पर। इस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को क्वाड की अगली बैठक के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। ट्रंप ने यह न्योता स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। इसके अतिरित्त दोनों नेताओं ने इजरायल- ईंरान तनाव, रूस-यूव्रोन युद्ध और हिद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। खासकर हिदप्रशांत क्षेत्र में क्वाड की भूमिका को लेकर दोनों की सोच में समानता दिखी, और इस पर भविष्य में मिलकर काम करने की बात कही गईं। इस बातचीत में एक और महत्वपूर्ण पहलू अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का 9 मईं की रात को पीएम मोदी को किया गया फोन रहा।

देश सबका है, संविधान सबके लिए है : नाजिया इलाही खान

बीकानेर (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता नाजिया इलाही खान ने रविवार को बीकानेर में कहा कि यह देश हर नागरिक का है और बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान भी सभी के लिए समान है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैं 22 करोड़ लोगों से पूछना चाहती हूं कि उनके लिए संविधान पहले है या इस्लाम। मुझे चुनाव में उनके वोट की जरूरत नहीं है। मेरे साथ देश के 120 करोड़ लोग खड़े हैं, खड़े थे और खड़े रहेंगे। नाजिया इलाही खान जिला उद्योग संघ सभागार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में अपने विचारों को खुलकर रखा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में उन्होंने जमीनी स्तर पर कार्य किया है और वहां की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। कोलकाता मिनी पाकिस्तान बन चुका है, बंगाल की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ रही है। बंगाल को अब बचाना बेहद जरूरी है, उन्होंने कहा। साथ ही यह भी जोड़ा कि बंगाल और उनका रिश्ता चोली-दामन जैसा है, जिसे कोई नहीं तोड़ सकता। नाजिया ने यह भी कहा कि बंगाल की क्षेत्रीय भाषा और वहां की समस्याएं राष्ट्रीय मीडिया में स्थान नहीं बना पातीं, जिससे वहां की जनता की आवाज दब जाती है। उन्होंने बजरंग दल और एबीवीपी जैसे संगठनों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि वह एक आवाज उठाएं तो लाखों युवा सड़कों पर उतर आएंगे।

पंजाब पुलिस ने अमृतसर में आईएसआई के दो जासूसों को पकड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के दो जासूसों गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और साहिल मसीह उर्फ शाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस कई दिनों से इन पर नजर रखे हुए थी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के एजेंटों के सीधे संपर्क में था और वह पेन ड्राइव के जरिए गोपनीय और संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इस मामले में मुख्य आईएसआई हैंडलर की पहचान राणा जावेद के रूप में हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपित जावेद राणा को ही जानकारियां मुहैया करवाते थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल आईएसआई हैंडलरों से बातचीत के लिए किया जा रहा था। फिलहाल उनके फोन फोरेंसिक जांच और साइबर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि उनमें से गोपनीय जानकारियां हासिल की जा सकें। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की छापेमारी, 468 क्विंटल बायोस्टिमुलेंट जब्त

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने शनिवार रात बीकानेर में केमिकल और खाद के गोदामों पर अचानक छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र और अनाज मंडी क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई में घटिया किस्म के बायोस्टिमुलेंट, खाद, बीज और पेस्टिसाइड का बड़ा भंडार पकड़ा गया। मंत्री मीणा ने अधिकारियों की मौजूदगी में कई गोदामों के ताले तुड़वाकर निरीक्षण किया। इस दौरान 468.25 क्विंटल बायोस्टिमुलेंट जब्त किया गया, जिनमें से 6 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। लगभग 20 से अधिक प्राइवेट गोदामों की जांच की गई, जिनमें कुछ में मूंगफली गोटा, कुछ में फर्टिलाइजर, और कुछ में सऊदी अरब से आयातित डीएपी (क्रभको) भी पाया गया। चार गोदामों को मौके पर ही सील कर दिया गया। हालांकि, कई गोदामों के ताले नहीं तोड़े जा सके। पूछताछ के दौरान कृषि अधिकारियों ने इन गोदामों की जानकारी से अनभिज्ञता जाहिर की, जिस पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें फटकार लगाई। मंत्री मीणा ने कहा कि राज्य में नकली और घटिया कृषि उत्पादों की बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले 20 दिनों में वे पांच जिलों में छापेमारी कर चुके हैं और अब तक 11 अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। बीकानेर में नकली खाद, बीज और कीटनाशकों की बिक्री की शिकायतों के बाद कृषि विभाग ने शुक्रवार रात बीछवाल क्षेत्र के प्लॉट एफ-27बी में स्थित गोदाम पर छापा मारा था। यह कार्रवाई *कृषि आदान गुण नियंत्रण अभियान* के तहत की गई। *गोदारा एग्रो एजेंसी* के प्रोपराइटर रामनिवास गोदारा से जब दस्तावेज मांगे गए, तो वे राजस्थान में बिक्री की स्वीकृति, उर्वरक लाइसेंस, गोदाम की अधिकृत स्वीकृति और इनवॉइस संबंधित कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गोदाम बिना स्वीकृति के संचालित किया जा रहा था।

एक राष्ट्र-एक चुनाव में जनमत को लेकर प्रदेश में 500 से ज्यादा बैठकें हुई : मदन

चंडीगढ़ (हिंस)। एक राष्ट्र-एक चुनाव समिति के प्रदेश सह संयोजक मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर अभी तक हरियाणा में 500 से ज्यादा सभाएं व बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। हर वर्ग जैसे कि किसान, युवा, शिक्षक, प्रोफेसर, वकील, श्रमिक, महिला और ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों के साथ एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर संवाद जारी है। एक राष्ट्र-एक चुनाव को हर वर्ग का जनमत मिल रहा है। इसके साथ ही एक राष्ट्र-एक चुनाव समिति के राष्ट्रीय संयोजक शिवराज चौहान की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित हो चुकी हैं। वहीं, जिला स्तर पर गठित समितियां भी एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर प्रचार अभियान का जिम्मा संभाले हुए हैं। रविवार को जारी बयान में छाबड़ा ने कहा कि संसद की संयुक्त समिति द्वारा पंजाब व हरियाणा में राजनीतिक दलों के साथ बैठकों का आयोजन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि देश में लोकसभा और राज्यों में विधानसभा के चुनाव एक साथ होने से बार-बार चुनावी मोड से राहत मिलेगी।

पायलट के कसे तंज पर किरोडी बोले हमारी सरकार काम कर रही है राजनीति नहीं करें

बीकानेर (हिंस)। प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- हम सचिन पायलट के कबाड़ों की जांच कर रहे हैं। उन्हें दर्द क्यों होता है। जब हम मिलावट का, नकली बीज व नकली पेस्टीसाइड्स पकड़ रहे हैं तो इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिए। बीकानेर में बीज, पेस्टीसाइड सहित अन्य सामान के गोदामों की छापेमारी के दौरान अचानक मौके पर पहुंचे कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार काम कर रही है, सचिन पायलट राजनीति कर रहे हैं। किरोड़ी के निर्देश पर यहां छापेमारी में लाखों रुपए के नकली बीज और पेस्टीसाइड बरामद होने का दावा किया जा रहा है। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- सचिन पायलट को शर्म आनी चाहिए। वो अपने आप को किसान का बेटा बताते हैं, राजेश पायलट बहुत बड़े किसान थे, और वो पूछ रहे हैं कि किसे एक्सपोज कर रहे हैं। इसमें राजनीति करने की क्या जरूरत है? ये लोग कालाबाजारी करने वाले हैं, नकली बीज बेचने वाले हैं। नकली पेस्टीसाइड्स बेच रहे हैं, किसानों को जहर बांट रहे हैं। इस पर क्या आपत्ति है। इस तरह की कार्रवाई पर सचिन पायलट की कथित टिप्पणी पर मीणा ने कहा कि वो आंदोलन क्यों नहीं कर रहे? एयर कंडिशन कमरों से सड़क पर उतरकर आंदोलन करें। हमारी सरकार तो कार्रवाई कर रही है। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- 11 अफसरों को सस्पेंड कर दिया।

डोटासरा का सरकार पर तीखा हमला बोले, प्रदेश में सरकार जैसी कोई चीज नहीं

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले डेढ़ वर्ष से सरकार नाम की कोई चीज दिखाई नहीं दे रही है और हालात ऐसे हो गए हैं जैसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा हो। डोटासरा ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। हर वर्ग परेशान है और भ्रष्टाचार चरम पर है। किसानों को समय पर खाद और बीज नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री खुद कह रहे हैं कि देशभर में नकली खाद मिल रही है। यह सीधा-सीधा भारत सरकार और डबल इंजन की सरकार पर गंभीर आरोप है। डोटासरा ने कहा कि कृषि मंत्री का यह बयान कि नकली खाद और बीज गुजरात से आ रहे हैं, अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कहा कि अगर यह गुजरात मॉडल है- नकली खाद, तस्करी और अवैध शराब-तो यह

मॉडल पूरे देश में लागू हो गया है। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री हर विभाग की समीक्षा कर रहे हैं तो नकली खाद और बीज की समस्या इस समीक्षा में क्यों सामने नहीं आई? किसानों को बर्बाद किया जा रहा है और सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है। डोटासरा ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के हालिया बयानों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री कह रहे हैं कि उनके विभाग के अधिकारी मिले हुए हैं और उन्हें खुद निरीक्षण करना पड़ रहा है, तो यह राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है। डोटासरा ने कहा कि किसानों को सही समय पर खाद और बीज मिले, यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन इस पर ना तो मंत्री और ना ही मुख्यमंत्री की कोई प्रतिक्रिया आ रही है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि कभी योग कर रहे हैं, कभी देव दर्शन यात्रा पर हैं, कभी दिल्ली की हाजिरी और कभी गुजरात जाकर प्रशिक्षण ले रहे हैं कि नफरत कैसे फैलाई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्थानीय निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव तक समय पर नहीं करवा पा रही है। हम लगातार सवाल पूछ रहे हैं, लेकिन सरकार जवाब देने की बजाय विपक्ष पर छींटाकशी और कांग्रेस ने ताओं पर अनर्गल बयानबाजी कर रही है।

कांग्रेस ने किया संविधान का अपमान, बाबा साहेब को नहीं दिया भारत रत्न : सुदेश

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के शहर टोहाना में रविवार को संविधान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मीडिया प्रभारी सुदेश कटारिया ने शिरकत की। उन्होंने सर्वप्रथम बाबा साहब डॉ. भी मराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश कटारिया ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा से पूरे प्रदेश में संविधान सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। पहले इस कड़ी में करनाल में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम हुआ, आज फतेहाबाद के टोहाना में कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने 1952 में बाबा साहब को चुनाव में हराया। कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न भी नहीं दिया। भाजपा सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न दिया और उनके नाम पर म्यूजियम का निर्माण करवाया। इस म्यूजियम में लाखों लोग बाबा साहब की यादों को देखने जा रहे हैं। कटारिया ने कांग्रेस ने ताओं पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया। जब मीडिया ने टोहाना में संत रविदास के नाम से बनने वाले मेडिकल कॉलेज की लंबे समय से नींव न रखे जाने का सवाल किया, तो कटारिया ने कहा कि इस बारे में प्रदेश के मुख्यमंत्री ही बता सकते हैं, उन्हें जानकारी नहीं है। फतेहाबाद जिले में पिछले तीन दिन में दो भ्रष्ट अधिकारियों की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि यह सरकार की अच्छी पहल है। उन्होंने दावा किया कि आगे भी भ्रष्ट लोगों को बख्शा नहीं जाएगा, कटारिया ने कहा कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया जाता था लेकिन अब सख्ती की जा रही है।

भाजपा से महिलाएं बना रही दूरियां : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। सरकार (भाजपा) के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा उत्पीड़न, अन्याय किसी के ऊपर हो रहा है तो महिलाओं के ऊपर हो रहा है, इस सरकार में । इधर देखने को मिला है कि सबसे ज्यादा असुरक्षित माहौल महिलाओं, बेटियों के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बन गया है। झूठे वादों के चलते भाजपा से महिलाएं दूरियां बना रही हैं। यह जुबानी हमला समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर किया। वे पार्टी मुख्यालय में महिला सभा की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। दरअसल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अहम बैठक करते हुए अखिलेश यादव ने महिला उत्पीड़न और उनसे जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में जो योजना समाजवादी पेंशन की शुरू हुई थी, उसी योजना को बीजेपी और अन्य दलों ने लागू करके सरकार बना ली। इस बार उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर 3000 रुपए पेंशन देने का काम गरीब महिलाओं के लिए होगा। उन्होंने कहा कि विद्या धन इन्होंने (भाजपा) बंद कर दिया है। सबसे ज्यादा बेटियों को लैपटॉप मिलता था, अब रद्दी टैबलेट दे रहे हैं। आने वाले समय में महिलाओं की सुरक्षा के लिए हम लोग 1090 को

और सशक्त करके मजबूत बनाने का काम करेंगे। पंचायती राज में आरक्षण लागू करने का काम हम समाजवादी और ने ताजी का था। हमें उम्मीद है जब 2027 में सरकार समाजवादियों की बन जाएगी तब महिला आरक्षण लागू होगा और बड़े पैमाने पर संगठन की महिलाओं को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में सपा की सरकार बनी तो पुलिस विभाग में महिलाओं की भर्ती के लिए हम ढांचागत बदलाव करेंगे। अखिलेश ने एक बार फिर ईवीएम मशीन से चुनाव कराने को गलत ठहराया। उन्होंने कहा कि आपका वोट बैलेट से ही डलना चाहिए, वही पुराना तरीका कि हमें पता हो, कहां वोट डाल रहे हैं। मशीन का बटन दबाने से गुस्सा नहीं निकलता। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) बेचना चाहे तो बेच सकती है, हम खरीदना चाहते हैं। एलडीए वीसी को पार्टी की ओर से चिट्ठी भेजने के अखिलेश यादव ने संगठन पदाधिकारियों को निर्देश दिए। इससे पूर्व अखिलेश यादव ने महिला सभा की बैठक करते हुए 2027 की तैयारी को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने वोटर लिस्ट से लेकर महिलाओं के मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान डिंपल यादव, जूही सिंह के साथ महिला सभा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताएं मौजूद रहीं।

नीतीश कुमार कथनी नहीं करनी में करते हैं विश्वास : पवन मिश्रा

अररिया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कथनी में नहीं करनी में विश्वास करते हैं। इसी का परिणाम है सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को दी जाने वाली राशि को 400 से बढ़ाकर 1100 प्रति माह किए जाने का निर्णय। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद के पात्र हैं। जदयू के प्रदेश सचिव सह किशनगंज जिला प्रभारी पवन मिश्रा ने ये बातें कही। मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह जनकल्याणकारी कदम न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को संबल प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर भी देगा। इस निर्णय से प्रदेश के 1 करोड़ 10 लाख के करीबन जरूरतमंद नागरिकों को सीधे राहत मिलेगी।

विश्व ऊंट दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बीकानेर (हिंस)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी), बीकानेर में विश्व ऊंट दिवस के उपलक्ष्य में *ऊंट पालन व्यवसाय : चुनौतियां और अवसर* विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। देशभर के विशेषज्ञों ने ऊंटों की भारत एवं वैश्विक स्तर पर उपयोगिता और संभावनाओं पर गहन चर्चा की। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने वर्तमान में उष्ट्र पालन की समस्याओं का जिक्र करते हुए उष्ट्र पालन में निहित संभावनाओं की ओर ध्यान आकृष्ट किया। ऊंट को *प्राकृतिक औषधालय* बताते हुए इसके औषधीय दुग्ध, बाल, हड्डी, चमड़ा व पर्यटन आदि बहुआयामी उपयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीक, अनुसंधान, स्टार्टअप्स, विपणन, नीति निर्माण व जनजागरूकता के माध्यम से ऊंटपालन को नया आयाम देने की बात कही। आयोजन सचिव डॉ. राकेश रंजन ने बताया कि वर्तमान में विश्व में उष्ट्र दूध का बाजार करीब 14.30 बिलियन यू. एस. डॉलर का है जो सन 2030 तक बढ़कर 24.02 बिलियन यूएस डॉलर हो जाएगी। इस क्षेत्र में विकास दर करीब 9.4 प्रतिशत रहने की संभावना है जबकि बकरी के दूध के व्यापार में यह विकास दर कुल 4.7 प्रतिशत ही रहेगी। अत: हमें भी ऊंटनी के दूध को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता व पूर्व निदेशक डॉ. आरके सावल ने कहा कि जहां विश्व में ऊंटों की संख्या बढ़ रही है, वहीं भारत में यह चिंताजनक रूप से घट रही है। उन्होंने बताया कि

विश्व में सर्वाधिक उष्ट्र चमड़ा भारत आयात करता है जबकि भारत उष्ट्र चमड़े से बनी वस्तुओं का सबसे बड़ा निर्यातक है, जो देश की पारंपरिक कारीगरी की कुशलता का प्रमाण है। ऊंटनी के औषधीय दुग्ध, लम्बे दुग्धकाल और वैश्विक मांग को देखते हुए उन्होंने इसे *डेयरी पशु* के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि डॉ. जगदीश राणे, निदेशक, केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर ने ऊंटनी के दूध से बने मूल्य संवर्धित उत्पादों को वैश्विक बाजार में वैज्ञानिक रणनीति के साथ लाने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर *फोग* नामक विस्तार पत्रक का विमोचन किया गया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक डॉ. समर कुमार घोरुई ने पशु पालकों को नई-नई तकनीकों एवं अवसरों को जानकारी देकर उन्हें उष्ट्र पालन हेतु प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सागर खुलापे ने आभार ज्ञापित किया और डॉ. विश्व रंजन उपाध्याय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के ने मीचंद बारासा ने किया।

हरियाणा की नई औद्योगिक नीति शीघ्र ही घोषित की जाएगी : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। हरित क्रांति से श्वेत क्रांति के बाद नील क्रांति का अग्रदूत बना कृषि प्रधान हरियाणा प्रदेश अब औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर है। स्टार्टअप से लेकर 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित करने का सरकार का प्रस्ताव है, जो प्रदेश की औद्योगिक क्रांति की नई गाथा लिखेंगे और शीघ्र ही कई नीतियों के लिए नए मसौदे ड्राफ्ट तैयार करके नई औद्योगिक नीति लाने की योजना है। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को बताया कि किसी भी देश व प्रदेश का विकास उद्योगों के बिना संभव नहीं है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को और अधिक बढ़ावा देने के लिए हमने अपने किए गए वायदे के अनुरूप के प्रस्ताव को तेजी से कार्य आरंभ किया है। इसके लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में उद्योग क्षेत्र को अपने बजट में प्राथमिकता दी है और चालू वित्त वर्ष में उद्योग विभाग के बजट में 126 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1848 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5-6 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में नया बदलाव देखने को मिलेंगे। जब गुरुग्राम में मारुति ने अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, उसमें यह शहर औद्योगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। आज विश्व की बहुउद्देशीय कम्पनी ने अपनी इकाइयां स्थापित की है और गुरुग्राम ने आज देश के साइबर सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के साथ लगते मेवात में नई आईएमटी विकसित की जाएगी। मानेसर के बाद मेवात में मेसर्स एम्प्रेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई है। कम्पनी द्वारा प्रस्तवित अपने 7, 083 करोड़ रुपए में से 2460 करोड़ रुपए का निवेश किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मेवात देश के 100 आकांक्षित पिछड़े जिलों में से एक है। प्रदेश सरकार का प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में मेवात में प्रदेश के अन्य जिलों की तरह एक विकसित जिला बने। उन्होंने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा आत्मनिर्भर वस्त्र नीति 2025 लागू की है।

दो सौ गायें पालने पर दो करोड़ की अनुदान राशि देगी सरकार : धर्मपाल सिंह

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने की गौआश्रय स्थलों की समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह ने रविवार को रविवार को जिला मुख्यालय परिसर स्थित विकास भवन में आधा दर्जन विभागों पशुधन विभाग, ग्राम्य विकास, शहरी विकास विभाग, राजस्व, पंचायती राज विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को गौवंश संबंधी केंद्र सरकार व उप्र सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित कराने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि जनपद गाजियाबाद में मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या 680 है, जबकि उन्हें कुल मिलाकर 1165 गोवंश सुपुर्द किये गए हैं। समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने के

लिए किसान समृद्धि योजना के साथ-साथ कई योजनाएं लागू की हैं। इनमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण गौवंशों को संवर्द्धन व दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए देशी गायों की नस्लों में सुधार लाना है। पशुधन मंत्री ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान से देशी गायों की नस्लों में सुधार लाया जाएगा। इसके साथ ही पशुपालको को गायें पालने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मुफ्त गायें दिए जाने से साथ ही उन्हें पालने के लिए अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई जा रहा है। पशुधन मंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा अच्छी नस्ल की एक गाय पालने के लिए चालीस हजार से लेकर दौ सौ गायें पालने पर दो करोड़ की अनुदान राशि तक प्रदान की जा रही है। मंत्री ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता निराश्रित गायों को गौशाला में भिजवाना व वहां उनके चारे व पानी की उचित व्यवस्था किये जाने की है। सरकार एक तरफ जहां कृत्रिम गर्भाधान कर गायों की नस्लों को सुधारेगी, वहीं बछड़ों का बधियाकरण, चारागाह की जमीनें चिन्हित कर उन्हें कब्जा कराने, बकरी पालन, सुअर पालन, मुर्गी पालन आदि को बढ़ावा देने के लिए अनुदान राशि प्रदान कर रहे हैं। पशुधन मंत्री ने दावा कि उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में देश में नंबर एक राज्य है। दुधारु गाय-भैंसो सहित अन्य पशुओं को बीमारी से बचाने के लिए टीकाकरण करने, आवारा व निराश्रित गौवंशों व अन्य पशुओं को बचाने के लिए प्रदेश में 520 मोबाइल पशु चिकित्सा दल बनाए गए हैं। बीमार व घायल पशु की चिकित्सा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर फोन करके जानकारी दी जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पशुपालको की आदमी दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व महाराजा करण सिंह राठौड़ की 337वीं जयंती 10 जुलाई को

बीकानेर (हिंस)। स्थानीय बिदासर हाउस में रविवार को क्षत्रिय सभा की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी 10 जुलाई को बीकानेर के पूर्व महाराजा करण सिंह राठौड़ की 337वीं जयंती समारोह *जय जंगलधर बादशाह* को भव्य स्तर पर मनाने के संबंध में चर्चा की गई। सभा की अध्यक्षता करते हुए करण प्रताप सिंह सिसोदिया ने कहा कि महाराजा करण सिंह राठौड़ न केवल क्षत्रिय समाज बल्कि पूरे बीकानेर की जनता के लिए गौरव का प्रतीक रहे हैं। उनकी जयंती को सर्वसमाज की सहभागिता के साथ बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी समाजजन एवं संस्थाएं इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेना चाहते हैं, उनका क्षत्रिय सभा सादर स्वागत करती है। सभा के प्रवक्ता प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार को लेकर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि विभिन्न माध्यमों-जैसे बैनर, पोस्टर, सोशल मीडिया और स्थानीय प्रेस-के जरिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में वीर सावरकर पर्यावरण सेवा समिति से उम्मेद सिंह राजपुरोहित और मदन मोहन मोदी तथा राती घाटी शोध एवं विकास समिति से गोविंद नारायण श्रीमाली ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के सुझाव दिए। इस अवसर पर क्षत्रिय सभा के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र सिंह बीका, समुंदर सिंह राठौड़, महावीर सिंह पवार, अरविंद सिंह शेखावत, शिवराज सिंह नरूका, बिशन सिंह कातर, भंवर सिंह उदट और गिरधारी सिंह खिंदासर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला

मुंबई

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर) ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी। इस गड़बड़ी के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी।

न्यूज़ ब्रीफ

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रति लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अधिकारी ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट

मुंबई। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू-राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचारियों ने छंटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी - आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्ताव : पारेख, मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अहम भूमिका रही

मुंबई

एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था।

यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं।

पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई छूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इंश्योरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।

नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में सैमसंग बहुत जल्द अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी लॉन्च करने जा रही है। इसे खास तौर पर युवा उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह फोन कंपनी की लोकप्रिय एम-सीरीज़ का हिस्सा होगा। इस बारे में कंपनी का कहना है कि यह डिवाइस स्टाइलिश लुक, हल्के डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स के साथ आएगा, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त होगा। फोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताएं शामिल होंगी जो यूजर के व्यवहार के अनुसार खुद को अनुकूलित कर सकेंगी। इसके अलावा यह फोन तेज प्रदर्शन भी देने में सक्षम होगा, जिससे मल्टीटास्किंग, गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग जैसे काम बिना किसी रुकावट के किए जा सकेंगे।गैलेक्सी एम 35 5जी को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, यह फोन एक्सीनोस 1380 प्रोसेसर पर चलेगा और इसमें 6जीबी रैमहो सकती है। गीकबेंच पर इसने सिंगल-कोर में 1004 और मल्टी-कोर में 2886 अंक हासिल किए हैं। फोन एंड्राएड 15 पर आधारित वन यूआई 7 के साथ आ सकता है, जिसमें कुछ उन्नत एआई फीचर्स भी देखने को मिल सकते हैं। इसके डिजाइन को लेकर कहा जा रहा है कि यह हल्का और आकर्षक होगा, जो खासतौर पर उन लोगों को पसंद आएगा जो कम कीमत में प्रीमियम लुक वाला फोन चाहते हैं। कीमत की बात करें तो गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत करीब रुपए 20,000 हो सकती है, जो इसके पिछले मॉडल गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत रुपए 19,999 के आसपास है।

भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में गूगल

नई दिल्ली

गूगल कंपनी अब अपने भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में है। इसी दिशा में गूगल एक नया कदम उठाने जा रहा है। पहले से एंड्राएड स्मार्टफोन में उपलब्ध यह फीचर अब वियर ओएस आधारित स्मार्टवॉच पर भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे यूजर्स को भूकंप की रियल-टाइम चेतावनी समय रहते मिल सकेगी। यह अलर्ट सिस्टम खासकर उन क्षेत्रों में उपयोगी होगा जहां भूकंप का खतरा ज्यादा होता है। समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थान पर जा सकते हैं और जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है।

हालांकि भारत में इस फीचर की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि वियर ओएस डिवाइसेस के लिए जैसे ही अपडेट आएगा, इसका विस्तार भारत समेत अन्य देशों में भी किया जाएगा। अब यही तकनीक स्मार्टवॉच में भी उपयोग की जाएगी, जिससे उपयोगकर्ताओं को सीधे उनकी कलाई पर भूकंप की चेतावनी मिलेगी। यह सिस्टम केवल चेतावनी ही नहीं, बल्कि भूकंप के केंद्र यानी एपिकसेंटर की जानकारी भी साझा करता है।

हालांकि अलर्ट मिलने का समय कितना पहले होगा, इसकी जानकारी अभी गूगल ने नहीं दी है। यह फीचर वीयर ओएस को और भी ज्यादा उपयोगी और जीवनरक्षक बना सकता है। गूगल का यह सिस्टम पारंपरिक सेइस्मोमीटर की बजाय स्मार्टफोन में मौजूद मोशन सेंसर का इस्तेमाल करता है। जब एक ही इलाके में कई डिवाइस एक साथ कंपन महसूस करते हैं, तो ये डाटा गूगल सर्वर तक भेजा जाता है, जो पुष्टि होने पर तुरंत यूजर्स को अलर्ट भेजता है।

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 जल्द होगा लॉन्च

अगले महीने 1 जुलाई 2025 को हीरो मोटोकॉर्प कंपनी अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 लॉन्च करने जा रही है। यह स्कूटर खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो बजट फ्रेंडली विकल्प की तलाश में हैं। वीडा वीएक्स2 को बेट्री-एस-ए- सर्विस मॉडल पर पेश किया जाएगा। इस मॉडल के तहत ग्राहकों को बैटरी खरीदने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे इसे किराए पर ले सकेंगे। इससे स्कूटर की शुरुआती कीमत काफी हद तक कम हो जाएगी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आम लोगों की पहुंच में आएगी। ग्राहकों को अपनी जरूरत के मुताबिक सब्सक्रिप्शन प्लान चुनने की सुविधा मिलेगी। कंपनी की योजना ऐसे प्लान लाने की है जो डेली कम्यूटर, वीकेंड यूजर और ज्यादा दूरी तय करने वालों के लिए अलग-अलग विकल्प देंगे। वीडा वीएक्स2 असल में वीडा झेड कॉन्सेप्ट पर आधारित है जिसे पहली बार ईआईसीएमए में पेश किया गया था। वीएक्स2 को हीरो की अब तक की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक स्कूटर माना जा रहा है। इसकी बुकिंग और डिलीवरी 1 जुलाई से शुरू हो सकती है। स्कूटर लॉन्च के साथ ही देश के कई शहरों में उपलब्ध कराई जाएगी। वीएक्स2 का सीधा मुकाबला बजाज चेतक, ओला एस1 एयर, एथर 450एस और टीवीएस आईक्यूब जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होगा।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है।

सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारत का म्युचुअल फंड इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रहा है। इस समय इसका कुल एयूएम 72 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है और हर महीने एसआईपी के जरिए 28,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज, ठग ग्राहकों तक बना रहे अपनी पहुंच

नोएडा

नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली

कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा। निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं। अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने 4 देशों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से जीत दर्ज की

बर्लिन। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने बर्लिन के टीसी 1899 ब्लाउ वीस स्टेडियम में 4 देशों के टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए शारदानंद तिवारी (15वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (36वें मिनट) और आमिर अली (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल (55वें मिनट) ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत मजबूती से की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ के बाकी समय में दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन गोल नहीं आया। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके अपनी लय को बनाए रखा। 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाह ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए एक महत्वपूर्ण फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को और मजबूत किया। इसके कुछ ही देर बाद 43वें मिनट में आमिर अली ने गोल करके भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के गोल की बदौलत एक गोल करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि, वे दो और गोल नहीं कर सके और भारतीय टीम ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय टीम का अगला मैच 24 जून को इसी स्थान पर स्पेन से होगा।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच ष्न्ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा,ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया। शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये। वहीं उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में भी कहा कि वह अपनी अपनी योजनाएं खुद बनाते हैं और तय करते हैं कि कैसे खेलना है और फिर बल्लेबाजी करते जिन्होंने यहां पहली ही पारी में 178 गेंदों पर 134 रन बनाए। साथ ही कहा कि ऋषभ की ये पारी सामान्य शैली से थोड़ी अलग थी पर ये उनकी योजना का ही हिस्सा था। वह पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाये थे जिसको देखते हुए अन्होंन इस पारी में अपना अंदाज बदला है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौर में उनपर लापरवाही से बल्लेबाजी के आरोप लगे थे।

गाले टेस्ट के ड्रॉ होने के साथ ही डब्ल्यूटीसी अंकतालिका की शुरुआत हुई

गाले। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ होने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका की भी शुरुआत हो गयी है। इसमें दोनो ही टीमों को 4-4 अंक दिये गये हैं। इस मैदान पर 12 साल बाद कोई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। 12 साल बाद इस मैदान पर ड्रॉ हुआ कोई मैच इससे पहले अंतिम बार जब श्रीलंका ने इस मैच पर ड्रॉ मैच खेला तब विरोध टीम बांग्लादेश थी। इसके बाद से ही यहां 26 मैच हुए हैं और हर मैच का परिणाम निकला है। गॉल टेस्ट ड्रॉ होने के बाद अब सभी की नजरे कोलंबो में 25 जून से होने वाले दूसरे मैच पर रहेंगी। दोनो ही टीमें इसे जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेंगी। इसी दौरान भारत और इंग्लैंड टेस्ट का भी परिणाम आ जाएगा।

एएफसी महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए तैयार भारतीय टीम, पहले मैच में मंगोलिया से सामना

चियांग माई (थाईलैंड)

भारतीय सीनियर फुटबाल महिला टीम सोमवार को थाईलैंड के चियांग माई में अपने एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 क्वालीफायर अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। टीम अपना पहला मैच मंगोलिया के खिलाफ खेलेगी।

यह प्रमुख प्रतियोगिता पिछले कई सालों में ब्लू टाइग्रेस के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी। वहीं जब 2022 में टूर्नामेंट की मेजबानी की, तो कोविड-19 मामलों और चोटों के कारण टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। ऐसे में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री और टीम जब 16 जून को थाईलैंड पहुंचीं, तो उनका एकमात्र लक्ष्य क्वालीफायर के जरिए एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करना है।

भारतीय टीम क्वालीफायर के ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना सोमवार को मंगोलिया से, फिर 29 जून को तिमोर लेस्ते से, 2 जुलाई को इराक से और 5 जुलाई को मेजबान थाईलैंड से होगा। ग्रुप विजेता मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेगा। एएफसी महिला एशियाई कप 2026 फीफा महिला विश्व कप ब्राजील 2027 के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा।

थाईलैंड के अलावा भारत ने इससे पहले ग्रुप बी के अन्य तीन प्रतिद्वंद्वियों का सामना कभी नहीं किया है।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) की ओर से जारी बयान में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने कहा, मंगोलिया, तिमोर लेस्ते और इराक के बारे में हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने हाल ही में कोई मैच नहीं खेला है। हम थाईलैंड के बारे में थोड़ा जानते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि चियांग माई में पहले आने से हमें मौसम की स्थिति के अनुकूल होने और समय के अंतर को समायोजित करने में बहुत मदद मिली है। यहां का मौसम बेंगलुरु की तुलना में थोड़ा अधिक नम है। प्रशिक्षण मैदान बहुत अच्छा है और हम आगामी मैचों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

भारतीय टीम-गोलकीपर : एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मोनालिशा देवी, पायल बासुदे।डिफेंडर : हेमम शिल्की देवी, किरण पिस्दा, मार्टिना थोकचोम, नगंगबाम स्वीटी देवी, फंजौबाम निर्मला देवी, पूर्णिमा कुमारी, संजू, सोरोखैबम रंजना चानू।मिडफील्डर : अंजू तमांग, ग्रेस डांगमेई, कार्तिका अंगमुथु, नोंगमैथेम रतनबाला देवी, प्रियदर्शिनी सेलादुरई, संगीता बासफोर।फॉरवर्ड : लिंडा कोम सर्टो, मालविका पी, मनीषा कल्याण, प्यारी शाशा, रिम्पा हलदर, सौम्या गुगुलोथ।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग में बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प

बेल्जियम ने भारतीय हॉकी टीम को यहां चल रही एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 2024-25 में 6-3 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

बेल्जियम ने शुरुआत में ही दो गोल दागकर भारतीय टीम पर दबाब बना दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोलों से मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दिला दी पर इसके बाद बेल्जियम ने अंतिम क्षणों में तीन गोल के साथ ही मुकाबला 6-3 से जीत लिया। बेल्जियम की ओर से आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल किये।

बेल्जियम को मैच की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया पर आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोलकर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने बराबरी पर आने के लिए जमकर प्रयास किये। बेल्जियम की ओर से हेंड्रिक्स ने मध्यांतर से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की पर बेल्जियम ने भारतीय टीम की रणनीति विफल कर दी। अंतिम दस मिनटों में खेल रोमांचक हो गया और विक्टर फाबर्ट के पर पर थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल दाग दिया। वहीं इसके बाद सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 पहुंच गया।

अमित ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारतीय टीम की ओर से तीसरा गोल दागा पर तब तक देर हो गयी थी। अंतिम क्षणों में टॉम बून ने गोल कर बेल्जियम को जीत दिला दी।

क्वींस क्लब टेनिस चैंपियनशिप

लंदन में क्वींस क्लब टेनिस चैम्पयनशिप में चेक गणराज्य के जिरी लेहाका सेमीफाइनल जीतने के बाद उत्साहित होते हुए।

एमएलसी 2025 में मिशेल के अर्धशतक से वाशिंगटन फ्रीडम जीती

कैलीफोर्निया

मिशेल ओवेन के शानदार अर्धशतक से मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 11वें मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क को 2 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही वाशिंगटन फ्रीडम ने सत्र में तीसरी जीत हासिल की। इससे अब फ्रीडम लाभ के साथ ही अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, तीसरी हार के साथ ही एमआई न्यूयॉर्क चौथे पायदान पर खिसक गयी है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमआई न्यूयॉर्क ने क्विंटन डी कॉक और मोनांक पटेल के अच्छे प्रदर्शन से निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

इस सलामी जोड़ी ने बीच के 6.1 ओवरों में 70 रन बनाये। मोनांक ने 20 गेंदों में पांच चौके लगाकर 32 रन बनाये। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने कप्तान निकोलस पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। कॉक इस पारी में अर्धशतक लगाने वाले अकेले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 34 गेंदों में 2 छक्कों और सात चौकों की सहायता से 55 रन बनाये। वहीं पूरन 30 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। माइकल ब्रेसवेल ने 24 गेंदों में तेजी से 42 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में में एक छक्का और पांच चौके लगाये। विरोधी टीम की ओर से ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन और इयान हॉलैंड ने एक-एक विकेट लिया। इससे बाद वाशिंगटन फ्रीडम ने मिशेल के अर्धशतक से आ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मिशेल ने रचिन रविंद्र के साथ 2.5 ओवरों में 45 रन बनाये। रचिन 10 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। मिशेल ओवेन ने 26 गेंदों में पांच चौके और छक्के लगाकर 60 रन बनाये, जबकि मार्क चैपमैन ने 32 गेंदों में 45 रन बनाये। वहीं जैक एडवर्ड्स ने भी 30 रनों का योगदान देकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदांबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा।

इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादस से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ

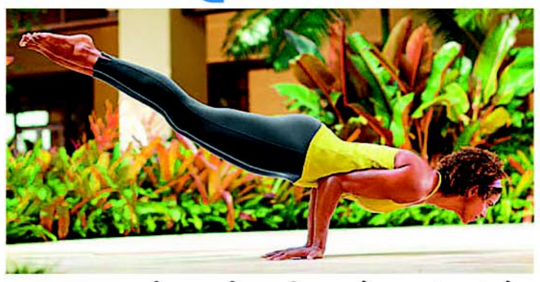

मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुके। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करते हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ है। आमतौर पर मयूरासन से गुर्दे, अग्नाशय और आमाशय के साथ ही यकृत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- चेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्चे रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अल्सर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां, लेकिन फिर भी कम निकले... आज युवाओं की कई ख्वाहिशें हैं। खासतौर पर युवा आजादी चाहता है। आज के दौर में युवाओं की सोच में क्रांति और आजादी की बातें उभरकर सामने आ रही हैं। आखिर देश का युवा किन बातों से आजादी चाहता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाकये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गूंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी

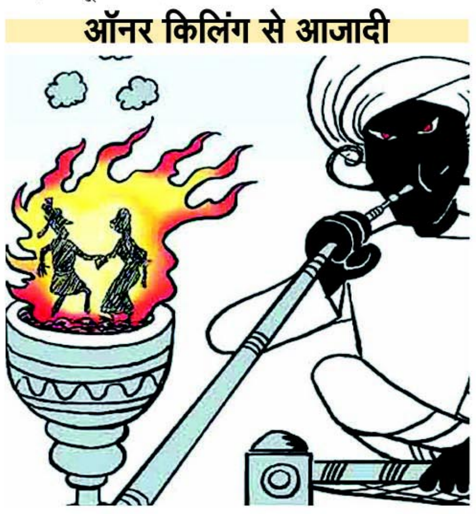

देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां जरा सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी

लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरूद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।

सब्ज-बाग से आजादी

आज का युवा संक्रमण काल से गुजर रहा है। वह अपने बलबूते आगे तो बढ़ना चाहता है, पर परिस्थितियां और समाज उसका साथ नहीं देते। चाहे वह राजनीति हो, फिल्म व मीडिया जगत हो, शिक्षा हो, उच्च नेतृत्व हो- हर किसी ने उसे सुखद जीवन के सब्ज-बाग दिखाए और फिर उसको भंवर में छोड़ दिया। ऐसे में पीढ़ियों के बीच जनरेशन गैप भी बढ़ा है। समाज की कथनी-करनी में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक तरफ वह सभी को डिग्रीधारी देखना चाहता है, पर उन सभी हेतु रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता। नतीजन- निर्धनता, महंगाई, भ्रष्टाचार इन सभी की मार सबसे पहले युवाओं पर पड़ती है। इसी प्रकार व्यावहारिक जगत में आरक्षण, भ्रष्टाचार, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद और कुर्सी की लालसा जैसी चीजों ने युवा हृदय को झकझोर दिया है।

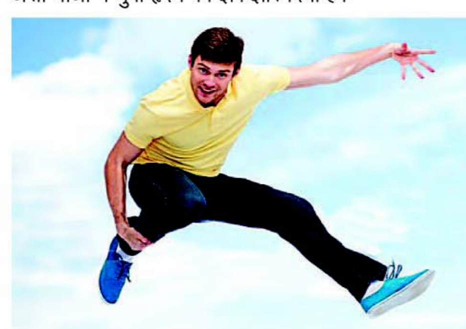

दोहरेपन से आजादी

इसमें कोई शक नहीं कि युवा वर्ग ही भावी राष्ट्र की आधारशिला रखता है, पर दु:ख तब होता है जब समाज युवाओं में भटकाव हेतु युवाओं को ही दोषी ठहराता है। क्या समाज की युवाओं के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं? जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति जब सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का सरेआम क्षरण करते नजर आते हैं, तो फिर युवाओं को ही दोष क्यों? एक व्यक्ति द्वारा अटपटे बयान देकर या किसी युवती द्वारा अर्धनग्न पोज देकर जो नाम हासिल किया जा सकता है, वह दूर किसी गांव में समाज सेवा कर रहे युवा को तभी मिलता है जब उसे किसी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जाता है। आखिर ये दोहरापन क्यों?

दोषारोपण से आजादी

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...

आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

हर समय फोन से चिपके रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूंढ़ने के लिए बेहतर हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हैंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।

दाढ़ी मूंछ के भी हैं ढेरों फायदे

आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें स्किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के

मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूंछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मुंह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूंछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूंछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर ड्राई नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूंछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूंछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूंछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूंछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार ,डेंटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नही जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झूठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपकी क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नही पड़ता।

दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक- ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

बटन से कंट्रोल

हम ऑनलाइन कैसे दिखाई देते हैं इसका नियंत्रण हम सिर्फ एक बटन क्लिक कर के कर सकते हैं। सेल्फी कैमरे के साथ स्मार्टफोन और लाखों फिल्टर से हम अपनी एक नकली इमेज आसानी से बना सकते हैं। कई बार तो लोगों को अपनी यह इमेज अपनी असली इमेज से ज्यादा पसंद आने लगती है, और इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन गपशप और बातचीत में चिपके रहते हैं। हम क्या कहते हैं, और किससे कहते हैं, इसका नियंत्रण भी खुद कर सकते हैं। इसके साथ यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग की इच्छा को भी बढ़ाता है।

साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असभ्य और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती हैं और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेप्सिन से लिया गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्सलर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जैफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नीविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**